नई दिल्ली ■ रविवार 11 जनवरी 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 284 ■ पृष्ठ 08

JBT www.thejbt.com

जनभावना टाइम्स

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 पुलिस पर पथराव की सजा है बुलडोजर नीति | 07 मलेशिया ओपन: सिंधु सेमीफाइनल में वांग से हारी | बहन नूपुर सेनन की हल्दी और संगीत रस्म में जमकर नाची कृति सेनन 08

'स्वदेशी' और 'स्वभाषा' को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए: गृह मंत्री अमित शाह

जोधपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को 'स्वदेशी' और 'स्वभाषा' को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए लोगों से स्थानीय उत्पादों का निर्माण और उपयोग करने तथा घर पर अपनी मातृभाषा में बातचीत करने का आग्रह किया। शाह ने कहा कि किसी भी समाज, संस्कृति और धर्म को संरक्षित रखने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उन्होंने कहा कि हालांकि दुनिया में प्रगति के लिए आवश्यकतानुसार कोई भी भाषा सीखी या बोली जा सकती है, लेकिन घर पर बच्चों से बातचीत के लिए केवल हिंदी और स्थानीय भाषाओं का ही इस्तेमाल करना चाहिए, क्योंकि इससे उनकी जड़ों से उनका जुड़ाव मजबूत होगा। मंत्री जोधपुर में आयोजित 'माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन' को संबोधित कर रहे थे, जहां माहेश्वरी समुदाय के सदस्य देश और विदेश के विभिन्न हिस्सों से एकत्र हुए हैं। शाह ने कहा कि यदि आप घर पर बच्चों से उनकी भाषा में बात करेंगे, तो वे अपने इतिहास से, अपने राज्य राजस्थान से स्वतः जुड़ जाएंगे। भाषा ही वह चीज है जो समाज को, धर्म को जीवंत रखती है और संस्कृति को आगे बढ़ाती है। मंत्री ने कहा कि अन्य स्थानों पर आवश्यकतानुसार किसी भी भाषा में बात करें, भले ही वह विदेशी भाषा हो, लेकिन घर पर बच्चों से केवल मातृभाषा में ही बात करें। शाह ने 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में काम करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए स्वदेशी को 2047 तक भारत को हर क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने का एकमात्र मंत्र बताया। शाह ने कहा कि यदि हमें शीर्ष पर पहुंचना है, तो 'आत्मनिर्भर' ही एकमात्र विकल्प है और इसे सफल बनाने का एकमात्र मंत्र 'स्वदेशी' है। उन्होंने कारोबार जगत से आह्वान किया कि वे 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण के लिए, अपने द्वारा पहले से उत्पादित उत्पादों के साथ-साथ कम से कम एक ऐसे उत्पाद का निर्माण शुरू करें, जो देश में अभी तक नहीं बनाया जा रहा है।

इस समुदाय की भूमिका को स्वीकार करते हुए मंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के युग से लेकर स्वतंत्रता के बाद के विकासशील और विकसित होते भारत तक, माहेश्वरी समुदाय ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शाह ने कहा कि देश के सांस्कृतिक पुनर्जागरण में उनकी बहुत बड़ी भूमिका है।" शाह ने समुदायों की ऐसी परंपराओं को देश के लिए एक ताकत बताते हुए कहा कि वे "राष्ट्र को मजबूत करती हैं, विभाजित नहीं करतीं"। उन्होंने कहा कि हमारे समुदायों ने कभी देश को विभाजित नहीं किया। यह संकीर्णता का प्रतीक नहीं है, बल्कि एकता और शक्ति का प्रतीक है। एकता न केवल समुदाय के लिए बल्कि राष्ट्र के लिए भी महत्वपूर्ण है। शाह ने इस मौके पर देश के विकास में माहेश्वरी समुदाय के योगदान को मान्यता देते हुए एक डाक टिकट भी जारी किया।

हमें अपने इतिहास का प्रतिशोध लेना है और हर क्षेत्र में भारत को मजबूत बनाना है : डोभाल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने शनिवार को कहा कि भारत को अपनी सुरक्षा सिर्फ सीमाओं पर मजबूत नहीं करनी है, बल्कि आर्थिक और तकनीकी तौर पर भी देश को इतना मजबूत बनाना है कि हमलों और पराधीनता के अपने इतिहास का प्रतिशोध ले सकें।

'विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद' के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर अपने संबोधन में डोभाल ने स्वतंत्रता के लिये किये गए संघर्षों, भारत की सभ्यता पर हुए हमलों और मजबूत नेतृत्व के महत्व का जिक्र किया। उन्होंने तीन दिवसीय इस आयोजन में भाग ले रहे देश भर के तीन हजार युवाओं से कहा कि मैं गुलाम भारत में पैदा हुआ था। आप भाग्यशाली हैं कि स्वतंत्र भारत में पैदा हुए। सदियों तक हमारे पूर्वजों ने इसके लिये बहुत कुर्बानियां और अपमान सहे हैं। भगत सिंह को फांसी हुई, सुभाष चंद्र बोस को जीवन भर संघर्ष करना पड़ा, महात्मा गांधी को सत्याग्रह करना पड़ा और अनगिनत लोगों को जानें देनी पड़ीं। भारत के खुफिया ब्यूरो के पूर्व प्रमुख 81 वर्षीय डोभाल ने कहा कि हमारे गांव जले, हमारी सभ्यता को समाप्त किया गया, हमारे मंदिरों को लूटा गया और हम एक मूक दर्शक की तरह असहाय होकर देखते रहे। यह इतिहास हमें एक चुनौती देता है कि भारत के हर युवक के अंदर आग होनी चाहिये।

उन्होंने कहा कि प्रतिशोध शब्द अच्छा तो नहीं है, लेकिन यह अपने आप में बड़ी शक्ति होती है। हमें अपने इतिहास का प्रतिशोध लेना है और हमें इस देश को फिर वहां पहुंचाना है, जहां हम अपने हक, अपने विचार और अपनी आस्थाओं के आधार पर एक महान भारत का निर्माण कर सकें। हमें अपने आपको हर रूप में आर्थिक, रक्षात्मक, तकनीकी तौर मजबूत बनाना है। डोभाल ने कहा कि हमारी एक बड़ी विकसित सभ्यता थी। हमने किसी के मंदिर नहीं तोड़े और कहीं जाकर लूटा नहीं। हमने दूसरे देशों पर आक्रमण नहीं किया, परंतु हम अपनी सुरक्षा और उस पर खतरों के प्रति उदासीन रहे, तो हमें इतिहास ने एक सबक सिखाया। क्या हमने वह सबक सीखा और क्या उसे याद रखेंगे। अगर आने वाली पीढियां उस सबक को भूल जायेंगी, तो यह इस देश की सबसे बड़ी त्रासदी होगी।

संक्षिप्त खबरें

वंदे भारत एक्सप्रेस के पहिए में लोहे का टुकड़ा फंसने से इमरजेंसी ब्रेक

चंडीगढ़। अमृतसर से नई दिल्ली जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरियाणा के सोनीपत में इमरजेंसी ब्रेक लगाना पड़ा। ट्रेन के पहिए में लोहे का एक टुकड़ा फंस जाने के कारण करीब एक घंटे तक ट्रेन रुकी रही। लोको पायलट की त्वरित सूचना तथा रेलवे प्रशासन की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। शनिवार दोपहर 2 बजे वंदे भारत एक्सप्रेस जब सोनीपत के सांदल कलां रेलवे स्टेशन के पास से गुजर रही थी, तभी ट्रेन के पहिए से अचानक तेज आवाज आने लगी। आवाज लगातार बढ़ने पर स्थिति को गंभीर समझते हुए लोको पायलट ने ट्रेन को हिंदू गर्ल्स कॉलेज के नजदीक सुरक्षित रूप से रोक दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि ट्रेन के पहिए में लोहे का एक टुकड़ा फंसा हुआ था। ट्रेन के आगे बढ़ने के साथ यह टुकड़ा पहिए के अंदर की ओर खिसकता गया, जिससे आवाज और तेज होती चली गई।

राम मंदिर परिसर में नमाज पढ़ने की कोशिश, हिरासत में लिया गया शख्स

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के जनपद अयोध्या के राम जन्म भूमि मंदिर परिसर से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। व्यक्ति नमाज पढ़ने की कोशिश कर रहा था। मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने उसे पकड़ लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पकड़े गए व्यक्ति की पहचान कश्मीर निवासी अहमद शेख के रूप हुई है। मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने उसे रोको तो वह कथित तौर पर संप्रदाय विशेष के नारे लगाने लगा, जिसके बाद मौके पर मौजूद सुरक्षा बलों ने उसे तत्काल हिरासत में ले लिया। हालांकि, इस मामले पर जिला प्रशासन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। वहीं राम मंदिर ट्रस्ट ने भी पूरे प्रकरण पर अभी कोई बयान नहीं जारी किया है। फिलहाल व्यक्ति को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है।

गैंगस्टर के साथ जश्न मनाने का वीडियो वायरल: जेल वार्डन निलंबित

पणजी। गोवा में जेल अधिकारियों ने एक गैंगस्टर के जेल से रिहा होने के बाद उसके साथ कथित तौर पर जश्न मनाने का वीडियो सामने आने के बाद शनिवार को राज्य की एक केंद्रीय जेल के वार्डन को निलंबित कर दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। राज्य की राजधानी से लगभग 20 किलोमीटर दूर कोलवाले स्थित केंद्रीय जेल के वार्डन लक्ष्मण पैडलोस्कर से जुड़ा एक वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर सामने आया था। नाइक को पिछले साल की शुरुआत में दक्षिण गोवा में हुई गैंगवार के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। स्थानीय अदालत ने हाल ही में उसे जमानत दी थी। यह निलंबन बंबई उच्च न्यायालय की गोवा पीठ द्वारा उत्तरी गोवा की कोलवाले केंद्रीय जेल में मोबाइल फोन और प्रतिबंधित वस्तुओं की उपलब्धता पर चिंता व्यक्त किए जाने के दो दिन बाद हुआ।

बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त ने बीएनपी के नए अध्यक्ष से मुलाकात की

ढाका। बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने शनिवार को बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान से मुलाकात की। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) द्वारा 12 फरवरी को होने वाले चुनावों से पहले उन्हें आधिकारिक तौर पर इस पद के लिए चुने जाने के एक दिन बाद यह मुलाकात हुई। बीएनपी के मीडिया प्रकोष्ठ के प्रवक्ता सैरुल कबीर खान ने बताया कि लगभग 40 मिनट तक यह बैठक हुई। उन्होंने इसे शिष्टाचार भेंट बताया। बांग्लादेश की राजनीति में बीएनपी अग्रणी दल के रूप में उभरी है, जबकि कभी उसकी महत्वपूर्ण सहयोगी रही जमात-ए-इस्लामी मुख्य प्रतिद्वंद्वी है, क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अब भंग हो चुकी अवामी लीग चुनावों में हिस्सा नहीं ले रही। छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक प्रदर्शन के बाद 5 अगस्त, 2024 को अवामी लीग सरकार गिर गई थी।

परीक्षा पे चर्चा 2026 ने बनाया नया रिकॉर्ड

चार करोड़ से अधिक पंजीकरण: धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को बताया कि परीक्षा पे चर्चा 2026 ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस कार्यक्रम के लिए अब तक 4 करोड़ से अधिक ऑनलाइन पंजीकरण हो चुके हैं, जिससे पिछले वर्ष का 3.56 करोड़ पंजीकरण का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी पार हो गया है।

प्रधान ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित परीक्षा पे चर्चा अब केवल एक वार्षिक संवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह देशभर के विद्यार्थियों के लिए तनाव-मुक्त वातावरण तैयार करने वाला एक राष्ट्रीय जन आंदोलन बन चुका है। प्रधान ने देशभर के विद्यार्थियों यानी एग्ज़ाम वॉरियर्स से अपील की कि वे परीक्षा पे चर्चा 2026 में सक्रिय रूप से भाग लें। उन्होंने कहा कि परीक्षा के समय छात्रों को प्रधानमंत्री मोदी की आत्मविश्वास, एकाग्रता और मानसिक स्वास्थ्य पर आधारित मास्टरक्लास से परीक्षा संबंधी तनाव दूर करने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि 8 जनवरी 2026 तक छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों समेत कुल पंजीकरण 4 करोड़ के आंकड़े को पार कर चुका है।

ओडिशा के राउरकेला में नौ सीटों वाला चार्टर विमान दुर्घटनाग्रस्त, 6 लोग घायल

भुवनेश्वर। ओडिशा के राउरकेला शहर के रघुनाथपाली क्षेत्र अंतर्गत जल्दा ए ब्लॉक के पास शनिवार को एक छोटे चार्टर विमान की क्रैश लैंडिंग हो गई। इस हादसे में कुल छह लोग घायल हुए हैं।

परिवहन मंत्री बिभूति जेना ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त विमान नौ सीटों वाला था और भुवनेश्वर से राउरकेला की ओर जा रहा था। विमान में चार यात्री और दो क्रू सदस्य सवार थे। घायल यात्रियों की पहचान सुशांत कुमार बिश्वाल, अनीता साहू, सुनील अग्रवाल और सबिता अग्रवाल के रूप में हुई है। वहीं विमान के क्रू सदस्यों में कैप्टन नवीन काड़ंगा और कैप्टन तरुण श्रीवास्तव शामिल हैं। हादसे के तुरंत बाद प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि किन परिस्थितियों में विमान की क्रैश लैंडिंग करनी पड़ी। प्रशासन और संबंधित एजेंसियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है ताकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। मुख्यमंत्री मोहन माझी ने इस विमान दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंनने सोशल मीडिया के जरिये कहा कि भगवान जगन्नाथ की कृपा से सभी यात्री सुरक्षित हैं जो अत्यंत राहत की बात है।

मुख्यमंत्री ने हादसे में घायल लोगों को तत्काल सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वह स्वयं पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं ताकि किसी प्रकार की कमी न रह जाए। मुख्यमंत्री मोहन माझी ने भगवान श्री जगन्नाथ से सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की है।

एकता और समरसता ही हिन्दुओं की सबसे बड़ी ताकत: भागवत

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद में वृंदावन के कुंभ मेला क्षेत्र में स्थित श्री सुदामा कुटी आश्रम के शताब्दी महोत्सव कार्यक्रम में शनिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन मधुकरराव भागवत ने शिरकत की।

कार्यक्रम में पहुंचने पर संत समाज और आश्रम से जुड़े पदाधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत किया। संतों को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख ने कहा जैसे-जैसे सनातन धर्म के सब लोग एक होते जाएंगे वैसे-वैसे ये टूटते जाएंगे। आप देख लीजिए पिछले 500 सालों में जैसे-जैसे हिन्दू एक होता गया, वैसे-वैसे इनके टुकड़े होते चले गए। हिंदू एक होगा तो आसुरी शक्तियां टूटेंगी, उनमें बिखराव होगा। शक्ति अगर आपको चाहिए तो उसके लिए भक्ति जरुरी है। कार्यक्रम का शुभारंभ संघ प्रमुख मोहन भागवत ने संतों के साथ दीप प्रज्वलन कर किया।

इस अवसर पर मंच पर श्री सुदामा कुटी के महंत जगद्गुरु सुतीक्ष्ण दास महाराज, अयोध्या से आए संत महामंडलेश्वर कमल नयन दास महाराज, दीदी मां साध्वी ऋतंभरा, गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज सहित देशभर से आए अनेक संत और धर्माचार्य उपस्थित रहे। शताब्दी महोत्सव के दौरान संतों ने आश्रम के सौ वर्षों की आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक यात्रा पर प्रकाश डाला।

सीएम योगी ने मेला सेवा ऐप का उद्घाटन किया

प्रयागराज (उप्र)। प्रयागराज में माघ मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं की सहूलियत के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मेला सेवा ऐप का उद्घाटन किया।

सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक, मेले के आगामी स्नान पर्वों की समीक्षा करने शनिवार को माघ मेला क्षेत्र पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान प्रयागराज में तीर्थयात्रियों को डिजिटल मार्गदर्शन देने के लिए माघ मेला सेवा ऐप का भी उद्घाटन किया।

इसरो 12 जनवरी को आठ विदेशी सहित सोलह उपग्रहों को कक्षा में भेजेगा

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने पीएसएलवी-सी62 मिशन के तहत सोमवार (12 जनवरी) को ईओएस-एन1 (ईओएस-एन1) नामक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह सहित कुल 16 उपग्रहों को अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करेगा। इनमें आठ विदेशी उपग्रह भी शामिल हैं। यह प्रक्षेपण श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के पहले लॉन्च पैड से किया जाएगा।

इसरो की ओर से शनिवार को जारी बयान में बताया गया कि यह मिशन इसरो की वाणिज्यिक शाखा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है। ईओएस-एन1 उपग्रह के साथ 14 सहायक पेलोड (अनुसंधान उपकरण/उपग्रह) भेजे जाएंगे, जिनमें भारत के अलावा कई विदेशी ग्राहकों के पेलोड भी शामिल हैं। इसरो के अनुसार, रॉकेट और उपग्रहों का एकीकरण पूरा हो चुका है और प्री-लॉन्च परीक्षण जारी हैं।

पीएसएलवी-सी62 को 12 जनवरी को सुबह 10:17 बजे प्रक्षेपित किया जाएगा। इसके लिए 25 घंटे की काउंटडाउन प्रक्रिया 11 जनवरी से शुरू होगी। यह पीएसएलवी रॉकेट की 64वीं उड़ान होगी। ईओएस-एन1 पृथ्वी अवलोकन उपग्रह को थाईलैंड और यूनाइटेड किंगडम के सहयोग से विकसित किया गया है। रॉकेट के प्रक्षेपण के लगभग 17 मिनट बाद उपग्रह को निर्धारित सूर्य-समकालिक कक्षा में स्थापित कर दिया जाएगा। पूरा मिशन दो घंटे से अधिक समय तक चलेगा।

इस मिशन की एक विशेष उपलब्धि यह है कि स्पेन की कंपनी का केस्ट्रेल इनिशियल टेक्नोलॉजी डेमोंस्ट्रेटर (केआईडी)) कैप्सूल रॉकेट के चौथे चरण (पीएस4) से लगभग दो घंटे बाद अलग किया जाएगा। आमतौर पर पीएसएलवी मिशनों में उपग्रह 20 मिनट के भीतर अलग हो जाते हैं, लेकिन इस मिशन में एक नई तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। अंतरिक्ष मलबे (स्पेस डेबरीज) को कम करने के उद्देश्य से इसरो चौथे चरण के इंजन को दोबारा सक्रिय कर उसकी गति कम करेगा, जिसे डी-बूस्ट प्रक्रिया कहा जाता है। इसके बाद ही स्पेनिश केआईडी कैप्सूल को अलग किया जाएगा।

अंततः चौथा चरण और कैप्सूल पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कर जल जाएंगे और शेष अवशेष दक्षिण प्रशांत महासागर में सुरक्षित रूप से गिरेंगे, जिसे स्प्लैशडाउन कहा जाता है। उल्लेखनीय है कि अब तक 60 से अधिक सफल उड़ानें भर चुका पीएसएलवी रॉकेट चंद्रयान-1, मंगलयान जैसे ऐतिहासिक मिशनों को सफलतापूर्वक अंजाम दे चुका है। उसी विश्वसनीयता और तकनीकी दक्षता के साथ इसरो यह नया और चुनौतीपूर्ण मिशन पूरा करने जा रहा है।

कश्मीर में पारा लुढ़का, शोपियां में तापमान शून्य से नीचे आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर जबरदस्त सर्दी की चपेट में है और इस दौरान घाटी के तापमान में गिरावट दर्ज की गयी और शोपियां में तापमान शून्य के नीचे 8.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस बीच आसमान साफ रहा और डल झील समेत पानी के दूसरे स्रोत जम गये। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि श्रीनगर में शुक्रवार रात न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 5.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक रात पहले यह शून्य से 6.0 डिग्री सेल्सियस से थोड़ा अधिक था। यह इस मौसम में शहर का अब तक का सबसे सर्द रात रही।

शहर का न्यूनतम तापमान मौसमी औसत से 3.8 डिग्री सेल्सियस कम रहा। कड़ाके की ठंड के कारण डल झील के अंदरूनी हिस्सों समेत कई जलाशयों के कुछ हिस्से जम गये। दक्षिण कश्मीर में शोपियां घाटी का सबसे ठंडा इलाका रहा, जहां पारा शून्य से नीचे 8.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पुलिस मुठभेड़ में दो इनामी बदमाश घायल, गिरफ्तार

नोएडा, 10 जनवरी (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में हत्या व हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहे 25-25 हजार रुपये के दो इनामी बदमाशों को थाना दादरी पुलिस ने आज सुबह मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है।

पुलिस द्वारा चलाई गई गोली दोनों के पैर में लगी है। इन बदमाशों ने पांच जनवरी की रात को कैमराला गांव में दो युवकों को पीट-पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। उपचार के दौरान एक की मौत हो गई थी, जबकि दूसरे की हालत नाजुक बनी हुई है। इस मामले में पुलिस ने पूर्व में चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस उपायुक्त जोन तृतीय सुधीर कुमार ने बताया कि थाना दादरी पुलिस बीती रात को वांछित बदमाशों की तलाश में बैरियर लगाकर चेकिंग कर रही थी, तभी पुलिस को सूचना मिली कि कैमराला गांव में हुए हत्याकांड के मामले में वांछित दो बदमाश जारचा की तरफ जा रहे हैं।

पुलिस ने जारचा रोड पर बैरियर लगाकर चेकिंग करनी शुरू की, तभी दो बदमाश मोटरसाइकिल पर सवार होकर आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया तो बदमाशों ने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से ताबड़तोड़ गोली चला दी। उन्होंने बताया कि जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली अनुज पुत्र कमल सिंह निवासी ग्राम चक्रसैनपुर थाना दादरी तथा सक्षम शर्मा उर्फ ऋषभ शर्मा पुत्र दिनेश शर्मा निवासी ग्राम ऊंचा हमीरपुर थाना जारचा के पैर में लगी है। उन्होंने बताया कि घायल दोनों बदमाशों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अनुज के ऊपर पूर्व में हत्या, हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में चार तथा सक्षम के ऊपर पूर्व में हत्या, चोरी, गैंगस्टर सहित विभिन्न धाराओं में सात मुकदमें दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि पांच जनवरी की रात को थाना दादरी क्षेत्र के कैमराला गांव में दो युवकों हरकेश और मोहित के साथ जमकर मारपीट की गई थी।

दोनों को अत्यंत गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। उपचार के दौरान हरकेश की मौत हो गई, जबकि मोहित की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। उन्होंने बताया कि इस मामले में पुलिस ने पूर्व में चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

सोसायटी में वृद्ध महिला के गले से चेन छीनने का प्रयास करने वाला बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित ला रेजिडेंशिया सोसाइटी में लिफ्ट के अंदर एक बुजुर्ग महिला से सोने की चेन छीनने की कोशिश करने वाले एक बदमाश को थाना बिसरख पुलिस ने आज मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली बदमाश के पैर में लगी है।

मुठभेड़ में पकड़ा गया बदमाश शातिर बताया जा रहा है। इसके खिलाफ पूर्व में विभिन्न आपराधिक मामलों में 3 मुकदमे दर्ज है। एडीसीपी सेन्ट्रल नोएडा संतोष कुमार ने बताया कि थाना बिसरख पुलिस द्वारा शनिवार दोपहर में सेक्टर-3 के पास ऐस सिटी गोल चक्कर से खैरपुर गोल चक्कर की तरफ जाने वाले रास्ते पर वांछित बदमाशों की तलाश में बैरियर लगाकर चेकिंग कर रही थी, तभी ऐस सिटी गोल चक्कर की तरफ से एक मोटर साइकिल पर सवार एक व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया। जिसे पुलिस पार्टी के द्वारा रूकने का इशारा किया गया तो मोटर साइकिल सवार नहीं रुका और तेजी से यू टर्न लेकर खैरपुर गोल चक्कर की तरफ भागने लगा। उन्होंने बताया कि शक होने पर पुलिस टीम द्वारा बदमाश का पीछा किया गया। अपने आप को घिरता देख बदमाश ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायर किया।

उन्होंने बताया कि पुलिस बल द्वारा आत्मरक्षार्थ की गयी कार्यवाही में बदमाश घायल हो गया। जिसकी पहचान राहुल यादव पुत्र मुकेश सिंह निवासी ग्राम नगला सलेम थाना सहपऊ जिला हाथरस हाल पता कौन्डली निर्माण मोहल्ला दिल्ली उम्र करीब 24 वर्ष के रूप में हुयी है। एडीसीपी ने बताया कि अभियुक्त के कब्जे से 1 तंमचा 315 बोर, 1 जिन्दा कारतूस तथा एक चोरी की बिना नंबर प्लेट मोटर साइकिल स्पलेण्डर बरामद हुई जो अभियुक्त के द्वारा मार्च 2025 में देशी शराब का ठेका ग्राम चिपियाना बुजुर्ग थाना बिसरख से चोरी करना बताया गया है। उन्होंने बताया कि अभियुक्त को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। उन्होंने बताया कि इस अभियुक्त के द्वारा बीती 8 जनवरी 20260 को ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित लॉ रेजीडेन्सिया सोसाइटी में लिफ्ट के पास एक वृद्ध महिला के गले से चेन छीनने का प्रयास किया गया था जिसके संबंध में वादिया की तहरीर के आधार पर थाना बिसरख पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था।

बिहार निवासी आईटी इंजीनियर ने की आत्महत्या

नोएडा। नोएडा में बिहार निवासी एक आईटी इंजीनियर ने कथित तौर पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। सेक्टर-49 थाना प्रभारी सुनील भारद्वाज ने बताया कि बिहार के गया जिले का निवासी प्रियदर्शनी रंजन तिवारी (26) शुक्रवार देर रात नोएडा के होशियापुर गांव स्थित एक मकान में फंदे से लटका मिला जहां वह अपने दोस्त के साथ किराए पर रहता था। उन्होंने बताया कि गंभीर हालत में तिवारी के दोस्तों ने उसे नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। परिवार को घटना की सूचना दे दी गई है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

ग्राम लौदाना से नोएडा सेक्टर-37 तक नई बस सेवा का उद्घाटन

नोएडा। जेवर विधानसभा के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को आपस में जोड़ते हुए सुगम, सुरक्षित एवं किफायती आवागमन की दिशा में आज एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। ग्राम लौदाना से नोएडा सेक्टर-37 तक परिवहन बस सेवा का विधिवत शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि यह बस सेवा क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने के साथ-साथ आमजन के दैनिक जीवन को आसान बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। यह परिवहन बस सेवा ग्राम लौदाना से प्रारंभ होकर छपना मोड़, कस्बा जहांगीरपुर, बंकापुर, नीमका, जेवर, जेवर कट, दयानतपुर, फलैदा, खेड़ा मोड़, मिर्जापुर, दनकौर, गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय, परी चौक, बॉटनिकल गार्डन होते हुए सेक्टर-37 तक संचालित होगी। इस बस सेवा के शुरू होने से विद्यार्थियों को शिक्षा संस्थानों तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी, किसानों को सहूलियत होगी, श्रमिकों को रोजगार स्थलों तक सुगम आवागमन प्राप्त होगा तथा महिलाओं और बुजुर्गों को किफायती सुविधा उपलब्ध होगी। इस दौरान विधायक ने कहा कि यह बस सेवा केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को सरल बनाकर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को गति देने का माध्यम बनेगी।

उन्होंने कहा कि जनसेवा, जनसुविधा और समग्र विकास के संकल्प के साथ जेवर विधानसभा निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और आने वाले समय में क्षेत्र को और भी कई जनहितकारी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

नोएडा प्राधिकरण का बड़ा फैसला, पेयजल व्यवस्था पर हाई-टेक जांच अभियान शुरू

नोएडा। इंदौर में दूषित पेयजल से हुई मौतों की घटना के बाद नोएडा में भी जल सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने जल विभाग की आपात बैठक बुलाकर स्पष्ट निर्देश दिए कि नोएडा में पानी की गुणवत्ता और पाइपलाइन नेटवर्क की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

बैठक के बाद पानी की जांच और निगरानी के लिए हाई-पावर तकनीकी समिति गठित की गई है, जो शहरभर में जल आपूर्ति व्यवस्था की जमीनी पड़ताल करेगी। प्राधिकरण के अनुसार, गठित तकनीकी समिति नोएडा की पाइपलाइनों में रिसाव, जंग और तकनीकी खामियों की पहचान करेगी। साथ ही जलाशयों, ओवरहेड टैंकों और वॉटर एटीएम से पानी के नमूने लेकर शुद्धता की जांच कराई जाएगी। समिति अलग-अलग सेक्टरों और इलाकों से सैंपल लेकर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर जल्द सौंपेगी, ताकि नोएडा में इंदौर जैसी स्थिति दोहराई न जा सके।

बैठक में नोएडा के 80 क्यूसेक गंगाजल परियोजना की प्रगति को लेकर भी सख्ती दिखाई गई। सीईओ डॉ. लोकेश एम ने निर्देश दिए कि

परियोजना से जुड़े सभी कार्य जनवरी 2026 तक हर हाल में पूरे किए जाएं। प्राधिकरण का मानना है कि गंगाजल आपूर्ति मजबूत होने से नोएडा की पेयजल जरूरतों पर दबाव कम होगा और सप्लाई सिस्टम ज्यादा स्थिर बनेगा।

समीक्षा के दौरान नोएडा के सड़क ढांचे को लेकर भी अलग निर्णय लिया गया। मास्टर प्लान रोड-3 समेत बुनियादी सुधार कार्यों के लिए एसीईओ वंदना त्रिपाठी और ओएसडी महेंद्र प्रसाद की सदस्यता वाली एक विशेष टीम बनाई गई है। सीईओ के निर्देश पर टीम ने शुक्रवार को मास्टर प्लान रोड-3 के पूरे स्ट्रेच का अचानक निरीक्षण किया। टीम को कहा गया है कि 15 दिनों के भीतर सुधार की विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की जाए। बैठक में नोएडा में तालाबों के निर्माण कार्य की धीमी रफ्तार पर भी सीईओ ने असंतोष जताया। प्राधिकरण ने साफ कहा कि जिन ठेकेदारों और जिम्मेदार अधिकारियों की वजह से देरी हो रही है, उन्हें काम तेज करने की अंतिम चेतावनी दी गई है। निर्देश दिए गए हैं कि समयबद्ध तरीके से निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए, ताकि नोएडा में जल संरक्षण और रिचार्ज से जुड़े लक्ष्य प्रभावित न हों।

सड़क हादसे में एक युवक की मौत, दूसरे की हालत गंभीर

नोएडा। जिले में थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के नोएडा एक्सप्रेस-वे पर हुए एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल ने बताया कि बीती रात को नसीम(23) पुत्र फिदा हुसैन निवासी सरिता विहार दिल्ली तथा इरफान उम्र (20) निवासी सरिता विहार दिल्ली मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहे थे। उन्होंने बताया कि महामाया फ्लाईओवर के पास एक अज्ञात वाहन चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए दोनों को टक्कर मार दिया।

उन्होंने बताया कि अत्यंत गंभीर रूप से घायल अवस्था में दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां पर उपचार के दौरान नसीम की मौत हो गई, जबकि इरफान की हालत नाजुक बनी हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क हादसे में व्यक्ति की मौत

नोएडा। थाना बिसरख क्षेत्र के स्टेलर जीवन सोसाइटी के सामने बीती रात एक बाइक चालक ने पैदल जा रहे एक व्यक्ति को टक्कर मार दिया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान मौत हो गई। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि वीरपाल (60) निवासी जनपद बुलंदशहर बीती रात को स्टेलर जीवन सोसाइटी के सामने पैदल जा रहे थे। तभी एक अज्ञात वाहन चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दिया। उन्होंने बताया कि इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। थाना प्रभारी ने बताया कि उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कांग्रेस ने की मनरेगा बचाओ संग्राम की शुरुआत, 11 जनवरी को कलेक्ट्रेट पर अनशन

नोएडा। जिला कांग्रेस कमेटी ने मनरेगा बचाओ संग्राम नामक अभियान के तहत 11 जनवरी को जिला कलेक्ट्रेट पर एक दिवसीय अनशन करने की घोषणा की है। इसके साथ ही 12 से 29 जनवरी तक जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 'मनरेगा बचाओ संग्राम' के तहत बैठकें आयोजित को लोगों को केंद्र व प्रदेश सरकार की जन विरोधी नीतियों की जानकारी दी जायेगी।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पर मनरेगा बचाओ संग्राम को लेकर एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में जिलाध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) और ग्राम रोजगार गारंटी कानून को लगातार कमजोर किए जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि मनरेगा देश के करोड़ों ग्रामीण गरीब, मजदूर और किसानों के लिए रोजगार, सम्मान और जीवन-यापन का मजबूत सहारा है। लेकिन वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण मनरेगा का बजट लगातार घटाया जा रहा है, मजदूरी का समय पर भुगतान नहीं हो रहा, जॉब कार्ड निरस्त किए जा रहे हैं और काम की मांग के बावजूद रोजगार उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। यह सीधे-सीधे संविधान और कानून की भावना के खिलाफ है।

नोएडा में बनेगा लाल चौक जैसा क्लॉक टावर, 26 जनवरी को उद्घाटन संभव

नोएडा। नोएडा शहर की पहचान को एक नया लैंडमार्क मिलने जा रहा है। सेक्टर-18 में जीआईपी मॉल के सामने पुलिस चौकी के पास श्रीनगर के लाल चौक स्थित प्रसिद्ध घंटाघर की तर्ज पर एक नया क्लॉक टावर तैयार किया जा रहा है। नोएडा प्राधिकरण के मुताबिक निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और कोशिश है कि 26 जनवरी को इसका लोकार्पण कर दिया जाए।

प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि यह क्लॉक टावर नोएडा का तीसरा क्लॉक टावर होगा। इससे पहले सेक्टर-128 स्थित जेपी गोलचक्कर के पास बने क्लॉक टावर का उद्घाटन हाल ही में नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम

कर चुके हैं। वहीं सेक्टर-18 में एक छोटा क्लॉक टावर पहले से मौजूद है।

अधिकारियों का कहना है कि क्लॉक टावर के सक्रिय होते ही यहां मौजूद पुलिस चौकी को दूसरी जगह शिफ्ट किया जाएगा, ताकि पूरे परिसर को एक व्यवस्थित रूप दिया जा सके। सेक्टर-18 में दिनभर उमड़ने वाली भीड़ और जीआईपी मॉल आने वाले लोगों की जरूरतों को देखते हुए बैठने के लिए बेंच और छोटा सिटिंग जोन भी तैयार किया जा रहा है।

सेक्टर-18 को मिलेगा नया फोटो-पॉइंट

सेक्टर-18 नोएडा का सबसे व्यस्त बाज़ार और मॉल जोन माना जाता है। ऐसे में जीआईपी मॉल के सामने बनने वाला यह क्लॉक टावर लोगों के लिए नया फोटो-पॉइंट और विजुअल आइकन बनने की उम्मीद है। 26 जनवरी को उद्घाटन हुआ तो गणतंत्र दिवस पर नोएडा को एक नया प्रतीकात्मक तोहफा मिल जाएगा।

कार्यकर्ताओं का समर्पण ही भाजपा की संगठनात्मक शक्ति की सच्ची नींव : सीएम

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को रोहिणी-29 स्थित उत्तर-पश्चिम जिला कार्यालय में आयोजित 60 वर्ष से अधिक आयु के निष्ठावान वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं के सम्मान-अभिनंदन कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का उनकी निष्ठा, समर्पण और सतत सेवा के लिए कृतज्ञतापूर्वक अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दशकों तक पार्टी को संगठनात्मक और वैचारिक मजबूती देने वाले इन वरिष्ठ साथियों का तप, त्याग और अनुशासन ही आज भाजपा के विशाल वटवृक्ष का आधार है। उनका मार्गदर्शन और निःस्वार्थ सेवा भाव नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का पुंज है। इस अवसर पर क्षेत्र के सांसद सांसद योगेंद्र चांदोलिया, दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, जिला अध्यक्ष विनोद सहरावत सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा परिवार अपने इन कर्मठ कार्यकर्ताओं के अमूल्य योगदान के प्रति सदैव ऋणी है और उनके मान-सम्मान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पार्टी को दशकों से मजबूत आधार देने वाले इन वरिष्ठ साथियों का समर्पण, अनुशासन और अनुभव ही संगठनात्मक शक्ति की सच्ची नींव है।

उन्होंने आगे कहा कि संगठन में एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में यात्रा शुरू कर आज दिल्ली सरकार का नेतृत्व करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। 27 वर्षों के निरंतर संघर्ष के बाद दिल्ली में भाजपा सरकार का गठन वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की तपस्या, धैर्य और संगठनात्मक निष्ठा का ही फल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की वर्तमान सरकार कार्यकर्ताओं की सरकार है और मुख्यमंत्री का दायित्व प्रत्येक कार्यकर्ता के सम्मान और गौरव से जुड़ा हुआ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक निर्णय लेने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाता है कि आम जनता के साथ-साथ पार्टी कार्यकर्ताओं का मान-सम्मान सुदृढ़ हो। उन्होंने कहा कि वर्षों से संजोया जा रहा भाजपा कार्यकर्ताओं का सपना 20 फरवरी 2025 को साकार हुआ, जब लंबे संघर्ष के बाद दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार के पहले ही दिन पहली कैबिनेट बैठक में आयुष्मान भारत योजना को स्वीकृति दी गई।

वर्तमान में 4 लाख से अधिक नागरिक इस योजना में पंजीकृत हैं और 20 हजार से अधिक लोगों को उपचार का लाभ मिल चुका है। साथ ही, 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष स्वास्थ्य सुरक्षा योजना भी प्रारंभ की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, इंफ्रास्ट्रक्चर और जनसुविधाओं के क्षेत्रों में सरकार ने केवल 10 महीनों में तेज गति से कार्य किया है, ताकि 27 वर्षों से लंबित अधूरे विकास कार्यों को पूरा किया जा सके। उन्होंने बताया कि दिल्ली मेट्रो के विस्तार के लिए बजट बढ़ाया गया है, सार्वजनिक परिवहन को पूर्णतः इलेक्ट्रिक बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। साथ ही, डीटीसी को पुनर्जीवित करने के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधूरे अस्पतालों की पुनः समीक्षा कर उन्हें गुणवत्तापूर्ण निर्माण की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। साथ ही पेंशन और राशन कार्ड व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित कर नए पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने संगठनात्मक कार्यकर्ताओं से कहा कि सरकार बनने के बाद उनकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, क्योंकि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही सच्ची संगठन सेवा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि दिल्ली के विकास कार्यों के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन और समर्पण नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत है और भाजपा परिवार उनके प्रति सदैव कृतज्ञ रहेगा।

दिल्ली की सड़कों पर उतरेंगी 3,330 नई इलेक्ट्रिक बसें : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली दिल्ली के परिवहन विभाग ने 3,330 अतिरिक्त इलेक्ट्रिक बसों की तत्काल खरीद के लिए केंद्र सरकार की एजेंसी कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (सीईएसएल) को एक विस्तृत प्रस्ताव भेजा है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को एक बयान में बताया कि दिल्ली की हवा को स्वच्छ बनाना और नागरिकों को एक आधुनिक, सुगम और सस्ती सार्वजनिक परिवहन सेवा देना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य के साथ हाल ही में सीईएसएल के साथ हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया कि पीएम ई-ड्राइव योजना (फेज-2) के तहत दिल्ली के लिए बसों का कोटा बढ़ाया जाए। मुख्यमंत्री के अनुसार अपनी आवश्यकता का पुनर्मूल्यांकन करते हुए विभिन्न आकारों की बसों की मांग रखी है ताकि संकरी सड़कों से लेकर मुख्य मार्गों तक कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा सके। राजधानी के परिवहन विभाग द्वारा 7 मीटर की 500 बसें, 9 मीटर की 2,330 बसें और 12 मीटर की 500 बसों समेत कुल 3,330 की मांग की गई है। सभी बसें लो फ्लोर एसी बसें होंगी। 7 मीटर की बसें दिल्लीवासियों को संकरी सड़कों और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। 9 मीटर की बसें छोटी सड़कों और फीडर सेवाओं के लिए चलाई जाएंगी। वहीं, 12 मीटर की बसें मुख्य रूटों और भारी भीड़ वाले मार्गों पर चलाई जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने केंद्र सरकार और भारी उद्योग मंत्रालय से अनुरोध किया है कि दिल्ली की इस अतिरिक्त मांग को सब्सिडी मॉडल में शामिल किया जाए। मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए स्पष्ट किया है कि यदि सब्सिडी में कोई तकनीकी अड़चन आती है तो दिल्ली सरकार स्वयं इस लागत का भार उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है ताकि बसों की खरीद में कोई देरी न हो। मुख्यमंत्री का मानना है कि ये 3,330 नई बसें न केवल सार्वजनिक परिवहन का साधन हैं, बल्कि दिल्ली के 'ग्रीन ट्रांजिशन' का आधार भी बनेंगी। इन बसों के आने से दिल्लीवासियों की निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी। साथ ही हवा में घुलने वाले हानिकारक धुएं में भारी कमी आएगी। महिला यात्रियों और बुजुर्गों के लिए लो-फ्लोर बसों के माध्यम से यात्रा अधिक सुरक्षित और आरामदायक होगी। दिल्ली सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले महीनों में दिल्ली का बस बेड़ा दुनिया के सबसे बड़े और सबसे स्वच्छ इलेक्ट्रिक बस नेटवर्क में से एक बन जाए।

सरकार के मुताबिक दिल्ली में वर्तमान में कुल 5,336 सरकारी बसें चलाई जा रही हैं। इनमें कुल 3,535 ईवी बसें हैं, जिसमें 9 मीटर वाली 1,162 देवी बसें, 12 मीटर वाली 2,273 बसें और 100 फीडर बसें शामिल हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार इस वर्ष मार्च तक दिल्ली की सड़कों पर 5,000 से ज्यादा ईवी बसें संचालित हो जाएंगी। उनका संकल्प है कि वर्ष 2026 के अंत तक 7000 इलेक्ट्रिक बसें दिल्लीवासियों को उपलब्ध करा दी जाएंगी। पीएम ई-ड्राइव (चरण 1) की 2800 बसें आने के बाद दिल्ली में बसों की संख्या 10,430 हो जाएगी तथा पीएम ई-ड्राइव (चरण 2) की 3330 बसें आने के बाद दिल्ली में बसों की संख्या 13,760 हो जाएगी।

प्रधानमंत्री ई-ड्राइव योजना भारत सरकार की एक क्रांतिकारी पहल है, जिसे भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा 10,900 करोड़ रुपये के बजट के साथ अक्टूबर 2024 से मार्च 2026 तक के लिए लागू किया गया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर, थ्री-व्हीलर, ई-बसों और ई-ट्रकों की खरीद पर वित्तीय प्रोत्साहन देकर ईवी (ईवी) अपनाने की प्रक्रिया को तेज करना और देश में प्रदूषण कम कर वायु गुणवत्ता में सुधार लाना है। इसके तहत न केवल बेंगलुरु, दिल्ली और अहमदाबाद जैसे बड़े शहरों में इलेक्ट्रिक बसों की तैनाती की जा रही है, बल्कि 72,300 फास्ट चार्जर और एक डिजिटल 'सुपर ऐप' के माध्यम से चार्जिंग के बुनियादी ढांचे को भी सुदृढ़ किया जा रहा है, ताकि भारत को नेट-जीरो उत्सर्जन और आत्मनिर्भर विनिर्माण के लक्ष्य की ओर ले जाया जा सके।

संक्षिप्त खबरें

हत्या के मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के नरेला औद्योगिक क्षेत्र में दिनदहाड़े हुई हत्या के मामले में फरार चल रहे तीन सगे भाइयों को क्राइम ब्रांच ने बिहार से गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपित शातिर किस्म के अपराधी हैं और वारदात के बाद से लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस को चकमा दे रहे थे। अदालत द्वारा इनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट भी जारी किए जा चुके थे। पुलिस उपायुक्त के अनुसार यह मामला अकबर नामक व्यक्ति की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि कुछ समय पहले हुए झगड़े के बाद आरोपित मनीष और राजेश ने उसे और उसके भाई राजा को जान से मारने की धमकी दी थी। 20 सितंबर 2025 को जेजे कॉलोनी, बवाना में यह धमकी हकीकत में बदल गई। आरोपित मनीष अपने दोनों भाइयों राजेश और राजा तथा अन्य साथियों के साथ मौके पर पहुंचे और पहले से साजिश के तहत हमला कर दिया। इस हमले में अकबर के करीबी दोस्त बादशाह पर चाकुओं से ताबड़तोड़ वार किए गए। गंभीर रूप से घायल बादशाह ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, हत्या के बाद तीनों आरोपित फरार हो गए थे। तीनों आरोपित मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं। तकनीकी निगरानी और स्थानीय सूत्रों से सूचना मिली कि आरोपित बिहार के बेगूसराय जिले में छिपे हुए हैं। लगातार प्रयासों के बाद 8 जनवरी की शाम तीनों आरोपित मनीष, राजेश उर्फ हड्डी और राजा को बिहार के बेगूसराय से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में तीनों ने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। इसके बाद उन्हें विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया।

तुर्कमान गेट इलाके में हुई पत्थरबाजी में 3 और आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। मध्य जिले के तुर्कमान गेट इलाके में हुई पत्थरबाजी के मामले में तीन और आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मो. नावेद (44), मो. फ़ैज़ (20) और मो. उबैदुल्ला (23) के रूप में हुई है। इसके साथ ही इस मामले में अब तक गिरफ्तार आरोपितों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त निधिन वलसन का कहना है कि हिंसा भड़कने की एक बड़ी वजह सोशल मीडिया पर फैलाई गई भ्रामक और झूठी जानकारी थी। इसी सिलसिले में पुलिस ने एक महिला सोशल मीडिया 'इन्फ्लुएंसर' को पूछताछ के लिए तलब किया है। यह कार्रवाई उन 10 सोशल मीडिया अकाउंट्स की पहचान के बाद की गई है, जिन्होंने कथित तौर पर यह अफवाह फैलाई थी कि अदालत के आदेश पर चलाए गए अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान तुर्कमान गेट के पास स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद को ध्वस्त कर दिया गया।

NDMC ने 'विकसित भारत' के विजन को दी गति, खान मार्केट के मिडिल लेन सुधार कार्य का शिलान्यास

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने शनिवार को खान मार्केट की मिडिल लेन के सुधार कार्य का शिलान्यास किया। कुलजीत सिंह चहल ने बताया कि आज किया गया शिलान्यास खान मार्केट के परिवेश का उन्नयन एवं सुधार परियोजना का हिस्सा है।

इसके अंतर्गत नई ड्रेनेज व्यवस्था, नया फुटपाथ, आधुनिक फ्लोरिंग, 400 मिमी व्यास की नई ड्रेनेज लाइन, पानी की नई पाइपलाइन, बिजली एवं अन्य सेवाओं के लिए डक्ट, सभी मैनहोल कवर का बदलाव और स्टेनलेस स्टील डस्टबिन लगाए जाएंगे। यह परियोजना लगभग 1.21 करोड़ रुपये की लागत से तीन महीने में पूरी की जाएगी और अप्रैल तक इसके पूर्ण होने की संभावना है। इसके अलावा खान मार्केट के प्रवेश द्वारों पर भी सौंदर्यीकरण और सुधार कार्य किए जा रहे हैं। इनमें मजबूत कंक्रीट और ग्रेनाइट फ्लोरिंग शामिल है। लगभग 25 लाख रुपये की लागत वाली यह परियोजना जनवरी में शुरू होकर मार्च तक पूरी की जाएगी। कुलजीत सिंह चहल ने बताया कि एनडीएमसी ने हाल ही में अपना बजट 2026–27 प्रस्तुत किया है, जिसमें नई दिल्ली को विकसित और आधुनिक बनाने के प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप कई विकास कार्य शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रमुख बाजारों का पुनर्विकास और उन्नयन एनडीएमसी की प्राथमिकताओं में है और राजधानी के सबसे प्रसिद्ध बाजारों में से एक खान मार्केट पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

चहल ने कहा कि विकसित भारत, विकसित दिल्ली और विकसित एनडीएमसी के लक्ष्य के साथ नए साल में खान मार्केट में नई ऊर्जा के साथ विकास कार्यों की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि जो खान मार्केट पहले "खान मार्केट गैंग" और कई समस्याओं और नकारात्मक चर्चाओं के लिए जाना जाता था, अब उसे प्रधानमंत्री मोदी के विकास मॉडल के रूप में जाना जाएगा। उन्होंने बताया कि मिडिल एवं बैक लेन से जुड़ी लंबे समय से लंबित मांगों को अब एक समग्र परियोजना के तहत पूरा किया जा रहा है। इस परियोजना में ग्रेनाइट फ्लोरिंग, सिविल और इलेक्ट्रिकल सेवाओं के लिए एकीकृत डक्ट बनाए जा रहे हैं। चहल ने कहा कि एनडीएमसी द्वारा सार्वजनिक शौचालयों का उन्नयन किया जा चुका है और पार्किंग सुविधाओं में सुधार के लिए नए पार्किंग ब्लॉक का प्रस्ताव बजट में रखा गया है। साथ ही ट्रैफिक प्रबंधन को बेहतर करने और ट्रैफिक-फ्री जोन बनाने पर भी काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खान मार्केट एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का बाजार है, जहां विदेशी पर्यटक भी बड़ी संख्या में आते हैं, इसलिए एनडीएमसी इसे और अधिक विश्वस्तरीय बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, साथ ही इसकी मूल पहचान भी बनाए रखी जाएगी।

अवैध हथियार तस्करी के मामले में महिला गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में हाल के दिनों में बढ़ते हथियार अपराधों के बीच दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अवैध हथियार तस्करी में शामिल एक महिला को गिरफ्तार किया है। महिला लंबे समय से गैंगस्टरों और कुख्यात अपराधियों को अवैध हथियार सप्लाई कर रही थी। आरोपित महिला की पहचान मेरठ (उप्र) निवासी रंबीरी (67) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, रंबीरी एक संगठित हथियार तस्करी सिंडिकेट का हिस्सा थी और अपनी अधिक उम्र का फायदा उठाकर कानून एजेंसियों से बचती रही। खुफिया जानकारी में सामने आया कि वह ट्रेन के माध्यम से मध्य प्रदेश जाती थी, जहां से अवैध हथियार हासिल कर उन्हें दिल्ली और मेरठ में गैंगस्टरों व अपराधियों को बेचती थी।

पुलिस उपायुक्त कृष्ण कुमार ने बताया कि दिल्ली एनसीआर में अपराधों में आग्नेयास्त्रों के बढ़ते इस्तेमाल को देखते हुए स्पेशल सेल ने अवैध हथियार तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया था। इसी दौरान नॉर्दर्न रेंज की टीम ने खुफिया सूचना विकसित की और महिला आरोपित को गिरफ्तार किया। पुलिस ने महिला के कब्जे से चार अवैध सेमी-ऑटोमैटिक आधुनिक पिस्टल और तीन अतिरिक्त मैगजीन बरामद की गई हैं।

पुलिस का मानना है कि ये हथियार दिल्ली-एनसीआर में बड़ी वारदातों में इस्तेमाल होने वाले थे। पुलिस जांच में सामने आया है कि रंबीरी का आपराधिक इतिहास बेहद संगीन रहा है। वर्ष 2008 में गुरुग्राम में 1.48 करोड़ रुपये की बैंक डकैती और उसी वर्ष हरिद्वार के ज्वालापुर क्षेत्र में बैंक डकैती में उसकी भूमिका रही। इसके अलावा 2009 में दिल्ली के कमला मार्केट क्षेत्र में बैंक डकैती के प्रयास में भी वह शामिल थी। लगातार आपराधिक गतिविधियों के चलते वर्ष 2009 में स्पेशल सेल थाने में मकोका एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस केस में रंबीरी और उसके सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया था। वह 2009 से 2017 तक न्यायिक हिरासत में रही।

हिमांशु भाऊ गैंग के तीन शूटर गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल (नॉर्दर्न रेंज) और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने कुख्यात हिमांशु भाऊ गैंग के तीन शूटरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए तीनों आरोपित थाना बवाना में दर्ज हत्या के प्रयास के मामले में वांछित थे। आरोपितों के कब्जे से तीन पिस्टल, नौ जिंदा कारतूस और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान झज्जर (हरियाणा) निवासी पुनीत उर्फ अंकित (23), हरियाणा निवासी अनिकेत (21) और सुल्तानपुर डाबस निवासी मोहित (24) के रूप में हुई है।

स्पेशल सेल के पुलिस उपायुक्त कृष्ण कुमार ने शनिवार को बताया कि हिमांशु भाऊ गैंग का संचालन विदेश से विक्की कर रहा है। निजी रंजिश के चलते विक्की ने यामिन उर्फ चंदू (निवासी सुल्तानपुर डाबस) पर हमला करने के निर्देश दिए थे। यह हमला उसके चाचा धर्मबीर की हत्या का बदला लेने के लिए कराया गया था।

पुलिस उपायुक्त के अनुसार 8 दिसंबर 2025 को जब यामिन सुल्तानपुर डाबस की ओर जा रहा था, तब कम्युनिटी सेंटर के पास तीनों आरोपित मोटरसाइकिल पर खड़े थे। आरोपितों ने जानबूझकर उसकी स्कूटी को टक्कर मारी, जिससे वह गिर पड़ा और इसके बाद उस पर गोलियां चलाई गईं। हालांकि यामिन किसी तरह जान बचाकर मौके से फरार हो गया। जांच में सामने आया कि आरोपितों ने वारदात से एक दिन पहले इलाके की रेकी भी की थी। इस संबंध में बवाना थाने में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस उपायुक्त ने आगे बताया कि स्पेशल सेल को गुप्त सूचना मिली कि हिमांशु भाऊ गैंग के शूटर अवैध हथियारों के साथ रोहिणी इलाके में घूम रहे हैं। सूचना के आधार पर विशेष टीम गठित कर छापा मारा गया, जहां से तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में सामने आया कि पुनीत और अनिकेत विदेश में बैठे नसीब के संपर्क में थे, जो हिमांशु भाऊ गैंग के लिए काम कर रहा है। वहीं मोहित ने बताया कि दिसंबर 2025 में विक्की के कहने पर उसने इस हमले में सहयोग किया था। वारदात के बाद मोहित फरार हो गया था और उसे लखनऊ जाकर छिपने के निर्देश दिए गए थे। फिलहाल तीनों आरोपियों से आगे की पूछताछ जारी है और पुलिस गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

भाजपा और आप सरकारों की नीतियों की वजह से प्रदूषण स्थायी समस्या बनी : देवेंद्र यादव

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि केजरीवाल और रेखा गुप्ता सरकार की नीतियों के कारण प्रदूषण राजधानी दिल्ली में स्थायी समस्या बना चुकी है। उन्होंने कहा कि दोनों सरकारों ने प्रदूषण को जड़ से खत्म करने के लिए कुछ ठोस उपाय करने की जगह यह कहकर कि प्रदूषण कोई एक दिन में खत्म होने वाली समस्या नही है, अपनी नाकामी को स्वीकार करते रहे हैं।

देवेंद्र यादव ने शनिवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि पांच दिवसीय विधानसभा का शीतकालीन सत्र को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी ने गंभीर प्रदूषण पर चर्चा न करके अखाड़ा बना दिया। दोनों पार्टी के विधायक सदन में और सदन के बाहर एक दूसरे के खिलाफ हंगामा करते दिखाई दिए।

देवेंद्र यादव ने कहा पिछले 12 वर्षों में प्रदूषण के नाम पर असंख्य नाकाम योजनाओं पर करोड़ों अरबों रुपये खर्च हुए लेकिन दिल्ली में वायु प्रदूषण को अंकित करने वाला एक्यूआई गंभीर स्तर से कम होने की बजाय सर्दियां हो या गर्मी लगातार 400 के पार ही बना रहता है। उन्होंने कहा कि राजधानी में प्रदूषण नियंत्रण करने में भाजपा की केंद्र और दिल्ली सरकार की नाकामी के बाद सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप करके प्रदूषण के असली कारणों की पहचान करने के आदेश देने का मतलब साफ है कि सरकार लोगों के स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील नहीं है। देवेंद्र यादव ने कहा कि वाहन, निर्माण, औद्योगिक प्रदूषण, पराली सहित अन्य कारणों से बढ़ने वाले प्रदूषण को कम करने में भाजपा सरकार लगातार नाकाम साबित हो रही है। कोर्ट ने 2-4 हफ्तों में प्रदूषण के कारणों और समाधान पर विस्तृत योजना पेश करने का आदेश दिया है और विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर मिलकर काम करने की सलाह भी दी है, परंतु भाजपा सरकार की मुख्यमंत्री दिल्ली के गंभीर प्रदूषण को न तो नियंत्रित करने के लिए कुछ कर रही है और न कांग्रेस द्वारा सर्वदलीय बैठक की सलाह की बात पर कोई विचार किया।

देवेंद्र यादव ने कहा कि जनवरी में भी कड़कड़ाती ठंड में दिल्ली के क्षेत्रों में एक्यूआई 400 के पार पहुंच रहा है, जो लोगों के स्वास्थ्य पर दोहरा दुष्प्रभाव डाल रहा है।

दिल्ली विधानसभा ने पंजाब के तीन अफसरों को भेजा नोटिस

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने शनिवार को पंजाब पुलिस के तीन प्रमुख अधिकारियों को नोटिस जारी कर विधानसभा के एक वीडियो क्लिप का इस्तेमाल करते हुए दिल्ली के विधि मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के मामले में 48 घंटे के भीतर जवाब मांगा है।

दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विधानसभा परिसर में पत्रकार वार्ता में बताया कि पंजाब के पुलिस महानिदेशक, विशेष पुलिस महानिदेशक (साइबर अपराध) और जालंधर पुलिस आयुक्त को विधानसभा के विशेषाधिकारों के उल्लंघन' के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने जालंधर में एफआईआर दर्ज किए जाने के मामले में औपचारिक नोटिस जारी किया है, जो विधानसभा की कार्यवाहियों की कथित छेड़छाड़ वाले वीडियो क्लिप से संबंधित है।

नोटिस में कहा गया है कि सदन पहले से ही इस मामले से अवगत है और वीडियो क्लिप को फॉरेंसिक जांच और विशेषाधिकार समिति के पास भेजा गया है।

नोटिस में पंजाब पुलिस की इस मामले में संलिप्तता पर अध्यक्ष ने चिंता व्यक्त की है और संबंधित अधिकारियों से विस्तृत स्पष्टीकरण एवं आवश्यक दस्तावेज मांगे गए हैं।

संपादकीय

साफ पानी पर क्यों हाहाकार

इंदौर में कथित तौर पर गंदे पानी से लोगों की मौत के बाद ग्रेटर नोएडा के डेल्टा वन और अल्फा-2 सेक्टर में दूषित पानी पीने से 65 लोग बीमार होने की खबर सामने आई है। इतनी बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने का संज्ञान लेने के साथ प्राधिकरण ने जल आपूर्ति व्यवस्था की व्यापक जांच के आदेश दिए हैं। इसके तहत पाइपलाइनों में रिसाव, जंग, सीवर मिक्सिंग और जलाशयों की गुणवत्ता की जांच के लिए एक हाईपावर तकनीकी समिति गठित की गई है। जो न सिर्फ कागजी जांच करेगी बल्कि मौके पर जाकर सैंपल लेकर विस्तृत रिपोर्ट सौंपेगी। समिति शहर में पानी सप्लाई से जुड़ी पूरी चेन की जांच करने के साथ इस बात की भी पड़ताल करेगी कि पाइप लाइनों में जंग या लीकेज के कारण सीवर का पानी तो नहीं मिल रहा। ड्रेनेज और जलापूर्ति लाइनें आपस में जुड़ तो नहीं गईं हैं। वॉटर एटीएम व जलाशयों में सप्लाई किया जा रहा पानी मानकों पर खरा उतरता है या नहीं। इसके अलावा गाजियाबाद स्वास्थ्य विभाग भी इंदौर की घटना के बाद अलर्ट मोड पर आ गया है। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से वॉटर टेस्टिंग को तीन गुना तक बढ़ा दिया गया है। साल 2025 में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से पानी के 2003 नमूना एकत्रित किए गए थे। जिनमें से केवल 1464 ही मानकों पर खरे उतरते। बाकि सभी जांच में फेल हो गए। जांच के बाद स्वास्थ्य विभाग की ओर से संबंधित नगर निकाय और विकास प्राधिकरणों को इस जांच रिपोर्ट से अवगत कराया गया। आंकड़ों के मुताबिक, साल 2022 में स्वास्थ्य विभाग ने पानी के कुल 1045 नमूने लिए, जिसमें से 302 सैंपल जांच में फेल हो गए थे। वहीं 2023 में वॉटर टेस्टिंग को बढ़ाया गया। इस दौरान पानी के 1656 नमूने लिए गए, जिसमें से 345 सैंपल जांच में फेल हुए। इसके बाद 2024 में स्वास्थ्य विभाग ने 2093 नमूने लेकर जांच के लिए भेजे, जिसमें से 523 सैंपल फेल मिले। आंकड़ों की माने तो औसतन 25 से 29 प्रतिशत पानी के सैंपल जांच में फेल हुए। नया साल आते ही देश के इंदौर, गुजरात और बेंगलुरु से दूषित जल के कारण लोगों की परेशानी की खबरें डराने वाली हैं। देश की राजधानी दिल्ली में भी हाल ही में जल बोर्ड द्वारा पेयजल आपूर्ति की जांच का दायरा बढ़ाया गया। दिल्ली में लगभग साठ फीसदी पाइप लाइन 40 साल से अधिक पुरानी हैं। यहां भी सरकार ने आपूर्ति की गुणवत्ता जांचने के निर्देश दिए हैं। दिल्ली सहित अधिकांश शहरों में सबसे बड़ी चुनौती पुरानी व्यवस्था और बुनियादी ढांचे की कमी है। पुराने संसाधन और बुनियादी ढांचे में कमी हर शहर की पेयजल आपूर्ति की गुणवत्ता पर सवाल खड़ी कर रही है। देर सबेर बुनियादी ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन जरूरी है।

पुलिस पर पथराव की सजा है बुलडोजर नीति

अवैध अतिक्रमण हटाने के दौरान पुलिस और कार्मिकों को पथराव का सामना करना पड़ा हो। इस वर्ष के शुरुआत में ही देश में कई स्थानों पर अल्पसंख्यक इलाकों में अतिक्रमण हटाने के दौरान पुलिस और प्रशासन पर सुनियोजित तरीके से हमले किए गए। इसके बाद पुलिस ने सख्ती का इस्तेमाल कर पत्थरबाजों के अवैध अतिक्रमण ढहाए। जयपुर शहर से करीब 40 किलोमीटर दूर चौमूं बस स्टैंड के पास स्थित कलंदरी मस्जिद के सामने लंबे समय से पत्थर पड़े हुए थे। इसके अलावा यहां रेलिंग बनाई गई थी, जो कथित तौर पर अवैध थी। 25 दिसंबर 2025 की रात मस्जिद कमेटी और नगर निगम के बीच इन रेलिंग और पत्थरों को हटाने पर सहमति बनी थी। इसके बाद पुलिस ने रेलिंग हटाने की कार्रवाई शुरू की थी। इससे भीड़ ने पुलिस पर पत्थरबाजी शुरू कर दी। हमले में कई पुलिसकर्मी घायल भी हुए। हालात बिगडऩे पर पुलिस ने आंसू गैस का छिडक़ाव और लाठीचार्ज कर स्थिति को संभाला था। इसके बाद अतिक्रमण वाली जगहों पर बुलडोजर चलाया गया। कार्रवाई में 25 मकानों में बनी करीब 40 दुकानों के बाहर तोडफ़ोड़ की गई है। तीन कांपलेक्स को सीज किया गया है। उत्तर प्रदेश में ऐसे अतिक्रमण हटाने के दौरान पत्थरबाजी करना अब आसान नहीं रहा है।

-योगेंद्र योगी-

पुलिस का दायित्व है कानून-व्यवस्था बनाए रखना और कानूनों की पालना कराना। ऐसे में पुलिस की जिम्मेदारी निभाने के दौरान यदि पुलिसकर्मियों पर हमला हो तो मानना चाहिए कि देश का एक तबका कानून और अदालतों पर भरोसा नहीं रखता है। दिल्ली में तुर्कमान गेट पर अवैध अतिक्रमण हटाने के दौरान यही हुआ। विपक्षी राजनीतिक दल इस मुद्दे पर अब चुनावी रोटियां सेंकने में लगे हुए हैं। अल्पसंख्यक वोट की राजनीति के कारण ऐसे हालात पैदा होते हैं। दिल्ली महानगर निगम ने हाईकोर्ट के निर्देशों की पालना में तुर्कमान गेट के पास फैज-ए-इलाही दरगाह के बाहर अतिक्रमण हटाने गए दस्ते और पुलिसकर्मियों पर पथराव किया गया। अतिक्रमण हटाने के दौरान प्रशासन पर हुई पत्थरबाजी के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। यह पहला मौका नहीं है जब अल्पसंख्यक इलाके में अवैध अतिक्रमण हटाने के दौरान पुलिस और कार्मिकों को पथराव का सामना करना पड़ा हो। इस वर्ष के शुरुआत में ही देश में कई स्थानों पर अल्पसंख्यक इलाकों में अतिक्रमण हटाने के दौरान पुलिस और प्रशासन पर सुनियोजित तरीके से हमले किए गए। इसके बाद पुलिस ने सख्ती का इस्तेमाल कर पत्थरबाजों के अवैध अतिक्रमण ढहाए। जयपुर शहर से करीब 40 किलोमीटर दूर चौमूं बस स्टैंड के पास स्थित कलंदरी मस्जिद के सामने लंबे समय से पत्थर पड़े हुए थे। इसके अलावा यहां रेलिंग बनाई गई थी, जो कथित तौर पर अवैध थी। 25 दिसंबर 2025 की रात मस्जिद कमेटी और नगर निगम के बीच इन रेलिंग और पत्थरों को हटाने पर सहमति बनी थी। इसके बाद पुलिस ने रेलिंग हटाने की कार्रवाई शुरू की थी।

इससे भीड़ ने पुलिस पर पत्थरबाजी शुरू कर दी। हमले में कई पुलिसकर्मी घायल भी हुए। हालात बिगडऩे पर पुलिस ने आंसू गैस का छिडक़ाव और लाठीचार्ज कर स्थिति को संभाला था। इसके बाद अतिक्रमण वाली जगहों पर बुलडोजर चलाया गया। कार्रवाई में 25 मकानों में बनी करीब 40 दुकानों के बाहर तोडफ़ोड़ की गई है। तीन कांपलेक्स को सीज किया गया है। उत्तर प्रदेश में ऐसे अतिक्रमण हटाने के दौरान पत्थरबाजी करना अब आसान नहीं रहा है। दरअसल पत्थरबाजों को समझ में आ गया है योगी सरकार उनके अवैध घरों-व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर बुलडोजर चलवाए बिना नहीं मानेगी। यही वजह है कि लखनऊ विकास प्राधिकरण ने लखनऊ के अलग-अलग इलाकों में अवैध निर्माणों को सील किया है। प्राधिकरण ने गोमती नगर विस्तार और चिनहट इलाके में अभियान चलाया है, जिसमें 4 अवैध निर्माण को सील किया गया है। वहीं, दुबग्गा इलाके में लखनऊ विकास प्राधिकरण से लेआउट स्वीकृत कराए बिना की जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया गया है। यहां 85 बीघा क्षेत्रफल में 7 अवैध प्लाटिंग की जा रही थीं, जिन्हें ध्वस्त कर दिया गया है। पत्थरबाज अतिक्रमी कानून हाथ में लेने पर उत्तर प्रदेश सरकार का सख्त रवैया संभल में देख चुके हैं। संभल की शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के बाद अदालत के आदेश पर मस्जिद के आसपास बड़े पैमाने पर बिजली चोरी और अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया जिसमें अवैध कनेक्शन काटे गए और कब्जे हटाए गए। समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर रहमान बर्क के इलाके में बुलडोजर की कार्रवाई की गई थी। संभल में हिंसा के बाद पुलिस ने सख्त कार्रवाई की। करीब दर्जनभर अवैध दुकानों पर बुलडोजर चलाया गया।

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि संभल या किसी अन्य जिले में किसी को भी अराजकता फैलाने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। संभल का एक भी दंगाई बख्शा नहीं जाना चाहिए। इसी तरह प्रयागराज हिंसा के बाद, मुख्य आरोपी जावेद अहमद के घर को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। नमाज के बाद भडक़ी हिंसा मामले के मुख्य आरोपी मोहम्मद जावेद उर्फ जावेद पंप के घर पर रविवार दोपहर बुलडोजर चलाया गया। जावेद के दो मंजिला आलीशान मकान पर भी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई हुई। सपा नेता आजम खान के जौहर विश्वविद्यालय का उर्दू गेट 9 मार्च 2019 को ध्वस्त कर दिया गया था।

आजम खान ने सरकारी जमीन पर मुख्य सडक़ का अतिक्रमण करते हुए गेट बनवाया था। गेट के निर्माण में लगभग 40 लाख रुपए खर्च हुए थे, जिसे भाजपा के सत्ता में आने के बाद ध्वस्त कर दिया गया। लखनऊ के अकबर नगर में विध्वंस अभियान के दौरान 1200 से अधिक अवैध ढांचे ध्वस्त किए गए। कुकरैल नदी के सौंदर्यीकरण और पुनरुद्धार परियोजना के तहत लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा लखनऊ के अकबर नगर में अब तक 1200 से अधिक अवैध संपत्तियों को ध्वस्त किया जा चुका है। इसमें कोई संदेह नहीं कि जिन राज्यों में भाजपा का शासन है, वहां पत्थरबाजों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की गई है। इसके विपरीत विपक्षी दलों के शासन वाले राज्यों में अलबत्ता तो ऐसे अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाए ही नहीं गए। यदि चलाए भी गए तो पत्थरबाजों के प्रति नरम रवैया अपनाया गया। हरियाणा में भाजपा की सरकार है। यहां पर भी पत्थरबाजों की इमारतों पर बुलडोजर चला कर सरकार ने संदेश दिया कि कानून हाथ में लेने वालों की खैर नहीं है। हरियाणा के नुंह में ब्रजमंडल धार्मिक यात्रा के दौरान भडक़ी हिंसा के बाद 600 से ज्यादा अवैध निर्माण ध्वस्त किए गए। पूरे हरियाणा में करीब 104 एफआईआर दर्ज की गई। करीब 216 गिरफ्तारियां हुई। मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने पत्थरबाजों को नहीं बख्शा। मध्य प्रदेश के छतरपुर में थाने पर पथराव करने की घटना सामने आई थी। भीड़ को पथराव के लिए उकसाने वाले हाजी शहजाद अली की कोठी पर बुलडोजर चलाया गया। अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के एक समूह ने गांधीनगर शहर से 38 किमी दूर बहियाल गांव में एक आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर कई दुकानों और वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया और पथराव किया। पुलिस ने गांव में हुई झड़प और दंगे के लिए लगभग 60 लोगों को हिरासत में लिया था। गांधी नगर में गरबा पर पथराव करने वालों के 186 अवैध इमारत जमीदोंज कर दी गई।

हाउसिंग एंड लैंड राइट्स नेटवर्क की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2022 और 2023 में भारत में लगभग 1.5 लाख घरों (153820) को गिराया गया, जिससे 7.4 लाख से ज्यादा लोग बेदखल हुए। यह आंकड़े 2022 (46371 घर) और 2023 (107449 घर) के डेटा पर आधारित हैं और कई कारणों जैसे अवैध निर्माण, शहरी विकास और अन्य प्रशासनिक वजहों से ये घर ध्वस्त हुए। ये घर बुलडोजर कार्रवाई, अवैध निर्माण, शहरी नियोजन और अन्य प्रशासनिक निर्णयों के कारण गिराए गए। 'भारत में बुल्डोजर अन्याय' और 'भारत के बुल्डोजर अन्याय में जेसीबी की भूमिका और जिम्मेदारी' नाम से दो रिपोर्ट एमनेस्टी इंटरनेशनल ने जारी की। इन रिपोट्र्स में बताया गया है कि अप्रैल और जून 2022 के बीच लगभग 128 संपत्तियों पर बुल्डोजर से तोडफ़ोड़ की कार्रवाई हुई। रिपोर्ट में बताया गया है कि असम, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और दिल्ली वो पांच राज्य हैं, जहां धार्मिक हिंसा और प्रदर्शनों के बाद मुस्लिम समुदाय के खिलाफ सरकार की भेदभावपूर्ण नीति देखने को मिली है और यहां सजा के तौर पर संपत्ति की तोडफ़ोड़ की गई है। रिपोर्ट में इस बात का जिक्र नहीं किया गया कि किस तरह अतिक्रमण हटाने के दौरान पुलिस और प्रशासनिक दस्ते पर पथराव किए। हिंसा भडक़ाने के प्रयास किए गए। यह निश्चित है कि देश में ऐसे मामलों में कार्रवाई को जब तक राजनीतिक चश्मे से वोट बैंक के कारण देखा जाता रहेगा, पत्थबरबाजों के हौसले बुलंद रहेंगे। पुलिस पर हमले जायज नहीं हैं।

खामोश अपराध के खिलाफ आवाज़: मानव तस्करी जागरूकता दिवस

-सुनील कुमार महला-

11 जनवरी को राष्ट्रीय मानव तस्करी विरोधी दिवस (नेशनल एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग डे) या राष्ट्रीय मानव तस्करी जागरूकता दिवस मनाया जाता है, जैसा कि मानव तस्करी आज दुनिया भर में एक गंभीर व बड़ी समस्या बनकर उभरी है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि तस्करी का मतलब सिर्फ और सिर्फ परिवहन से नहीं है। वास्तव में यह एक बहुत बड़ा भ्रम है कि तस्करी का मतलब व्यक्ति को एक जगह से दूसरी जगह ले जाना है। असल में, तस्करी का मुख्य आधार शोषण है; पीड़ित अपने ही घर या शहर में भी तस्करी का शिकार हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि मानव तस्करी दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा संगठित अपराध है (नशीली दवाओं के बाद), जिससे हर साल लगभग 150 डॉलर बिलियन का अवैध लाभ कमाया जाता है। हाल फिलहाल, यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास और उत्पत्ति या शुरुआत की बात करें तो इस दिवस की आधिकारिक शुरुआत वर्ष 2007 में अमेरिका में हुई थी, जब अमेरिकी सीनेट ने 11 जनवरी को राष्ट्रीय मानव तस्करी जागरूकता दिवस के रूप में नामित करने का एक प्रस्ताव पारित किया था। संयुक्त राज्य अमेरिका में इसे राष्ट्रीय मानव तस्करी जागरूकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। दरअसल, वर्ष 2010 में, राष्ट्रपति बराक ओबामा ने पूरे जनवरी को राष्ट्रीय दासता एवं मानव तस्करी रोकथाम माह घोषित किया था, जिसके तहत यह दिवस जागरूकता फैलाने का कार्य करता है। हालांकि, इस दिवस को मनाने की शुरुआत अमेरिका से हुई थी, लेकिन आज यह एक वैश्विक आंदोलन बन चुका है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा दी गई परिभाषा के अनुसार, किसी व्यक्ति को डराकर, बलपूर्वक या दोषपूर्ण तरीके से कोई कार्य करवाना, एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने या बंधक बनाकर रखने जैसे कृत्य तस्करी की श्रेणी में आते हैं। पाठकों को बताता चलूं कि 11 जनवरी को अक्सर वियर ब्लू डे के रूप में भी मनाया जाता है, जिसमें लोग नीले रंग के कपड़े पहनकर पीड़ितों के साथ एकजुटता दिखाते हैं।

यहां गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र 30 जुलाई को मानव तस्करी के विरुद्ध विश्व दिवस मनाता है। दूसरे शब्दों में कहें तो संयुक्त राष्ट्र ने 30 जुलाई को मानव तस्करी के विरुद्ध विश्व दिवस (वर्ल्ड डे अगेंस्ट ट्रैफिकिंग इन पर्सन्स) घोषित किया है, जो वैश्विक स्तर पर इस मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करता है। मानव तस्करी के पीछे कारणों की यदि हम यहां पर बात करें तो इसके पीछे प्रमुख कारण क्रमशः गरीबी और अशिक्षा, बंधुआ मज़दूरी, देह व्यापार, सामाजिक असमानता, क्षेत्रीय लैंगिक असंतुलन, बेहतर जीवन की लालसा है। सामाजिक सुरक्षा की चिंता, महानगरों में घरेलू कामों के लिये लड़कियों की तस्करी तथा चाइल्ड पोर्नोग्राफी के लिये बच्चों की तस्करी भी मानव तस्करी के प्रमुख कारण हैं। हाल फिलहाल, क्या यह बहुत ही गंभीर और संवेदनशील नहीं है कि आज महिलाएँ और लड़कियाँ मानव तस्करी से सर्वाधिक पीड़ति हैं और इनमें से अधिकांश की तस्करी यौन शोषण के लिये की जाती है।

वास्तव में, यह एक ऐसा अपराध है जिसमें लोगों को उनके शोषण के लिये खरीदा और बेचा जाता है। पाठकों को बताता चलूं कि मानव तस्करी को रोकने के क्रम में यह दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य मानव तस्करी जैसी गंभीर सामाजिक बुराई के प्रति आम लोगों में जागरूकता बढ़ाना, पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा करना तथा इस अपराध के विरुद्ध समाज, पीड़ितों के पुनर्वास के उपायों पर ध्यान केंद्रित करना तथा प्रशासन और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को मानव तस्करी के खिलाफ एकजुट करना है। सरल शब्दों में कहें तो यह दिवस मानव तस्करी (ह्यूमन ट्रैफिकिंग) के खिलाफ चेतना और जनजागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है। आज मानव तस्करी करके बच्चों को जबरन श्रम, यौन शोषण, बाल श्रम में धकेल दिया जाता है, जो बहुत ही दुखद है। पाठकों को बताता चलूं कि मानव तस्करी में लोगों को धोखे, बल, या जबरन तरीके से किसी अन्य स्थान पर ले जाकर जबर्दस्ती श्रम, यौन शोषण, अंगों की तस्करी या अन्य अनैतिक कामों के लिए मजबूर किया जाता है। बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि यह दिवस मानव तस्करी जैसे अपराध के गंभीर प्रभावों के बारे में लोगों को सचेत या जागरूक करता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि नेशनल ह्यूमन ट्रैफिकिंग अवेयरनेस डे की शुरुआत संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई थी, जहां 11 जनवरी को नेशनल स्लेवरी एंड ह्यूमन ट्रैफिकिंग प्रिवेंशन मंथ के रूप में इसे घोषित किया गया था और इसके बाद यह दिवस हर साल 11 जनवरी को मानव तस्करी के खिलाफ जागरूकता के रूप में विश्वभर में मनाया जाने लगा। हमारे देश में भी इस दिवस को जागरूकता दिवस के रूप में मनाया जाकर इस दिन अनेक सामाजिक, शैक्षिक और प्रशासनिक कार्यक्रम (सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा) आयोजित किये जाते हैं। वैश्विक परिप्रेक्ष्य की बात करें तो आज दुनिया भर में लगभग 30 मिलियन लोग आधुनिक गुलामी/मानव तस्करी की शिकार हैं।

भारत से सम्बंधित आंकड़ों की यदि हम यहां पर बात करें तो हमारे देश में साल 2018-2022 के दौरान लगभग 10, 655 मानव तस्करी मामले दर्ज किए गए थे। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार भारत में लगभग 6, 036 पीड़ितों की पहचान हुई, जिनमें से 2, 878 बच्चे शामिल थे। इनमें 1, 059 लड़कियाँ थीं, जो बाल तस्करी का हिस्सा थी। एक अन्य उपलब्ध जानकारी के अनुसार बिहार में पिछले छह महीनों में 100 से अधिक लड़कियों के लापता होने के मामले राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग तक पहुंचे हैं, जो मानव तस्करी गिरोह की संभावित सक्रियता को दर्शाते हैं। इसी प्रकार से आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर झारखंड से आए 12 बच्चों को संभावित मानव तस्करी से बचाया गया था। भारत में स्थिति की बात करें तो ग्लोबल स्लेवरी इंडेक्स 2023 के अनुसार, भारत में लगभग 1.1 करोड़ लोग आधुनिक गुलामी की स्थितियों में रह रहे हैं। भारत के राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, तस्करी के मामलों में जबरन श्रम और यौन शोषण सबसे प्रमुख कारण हैं। एक अन्य उपलब्ध जानकारी के अनुसार दुनिया भर में लगभग 5 करोड़ लोग आधुनिक गुलामी के शिकार हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, तस्करी के हर 4 पीड़ितों में से 1 बच्चा होता है।

गौरतलब है कि ग्लोबल स्लेवरी इंडेक्स 2025 के अनुसार दुनिया भर में आधुनिक दासता (मॉडर्न स्लेवरी) एक गंभीर वैश्विक समस्या बनी हुई है। इस इंडेक्स को वॉक फ्री फाउंडेशन द्वारा तैयार किया जाता है, जिसमें जबरन श्रम, मानव तस्करी, ऋण-बंधन, जबरन विवाह और यौन शोषण जैसे शोषण के रूपों को शामिल किया जाता है। 2025 के विश्लेषण में अनुमान है कि विश्व में लगभग 5 करोड़ (50 मिलियन) लोग किसी न किसी रूप में आधुनिक दासता का शिकार हैं। इसमें सबसे अधिक दर उत्तर कोरिया, इरीट्रिया और मॉरिटानिया जैसे देशों में दर्ज की गई है, जबकि दक्षिण सूडान और सोमालिया जैसे देश सबसे अधिक जोखिम वाले देशों में शामिल हैं।

श्रीराम और भरत के मिलाप का साक्षी है चित्रकूट का यह मंदिर

ऋषि वाल्मीकि द्वारा रामायण की रचना की गई थी। उनके द्वारा रचित रामायण के उत्तरकाण्ड में भरत मिलाप का प्रसंग मिलता है। भरत मिलाप प्रसंग को पढ़ने या सुनने के बाद व्यक्ति का मन भाव-विभोर हो उठता है। चित्रकूट में हुए इस मिलन स्थान का आज भी उतना ही महत्व माना जाता है, जितना कि उस दौरान था जब श्रीराम और भरत का मिलाप हुआ था। वर्तमान समय में इस स्थान पर एक मंदिर भी स्थापित है, जिसको भरत मिलाप मंदिर के नाम से जाना जाता है। बता दें कि मध्यप्रदेश के चित्रकूट में भगवान कामतानाथ परिक्रमा मार्ग पर भरत मिलाप मंदिर है। रामायण में वर्णित एक कथा के मुताबिक जब भगवान श्रीराम अयोध्या से गए, तो उनको मनाने के लिए भरत चित्रकूट पहुंचे। जहां पर उन्होंने श्रीराम से वापिस अयोध्या चलने का आग्रह किया, लेकिन श्रीराम ने अपने वचन को पूरा करने के लिए स्नेह के साथ भरत को वापिस अयोध्या भेज दिया था। चित्रकूट में श्रीराम और भरत के मिलन का दृश्य इतना भावपूर्ण था कि आसपास के लोगों के साथ प्रकृति भी भावुक हो गई और पत्थर तक पिघल गए। भाई मिलन का वर्णन गोस्वामी तुलसीदास ने श्रीरामचरित मानस में कुछ इस प्रकार किया है।

धर्मकर्म

द्रवहिं बचन सुनि कुलिस पषाना। पुरजन पेमु न जाइ बखाना॥
बीच बास करि जमुनहिं आए। निरखि नीरु लोचन जल छाए॥4॥

आज भी चित्रकूट में श्रीराम और भरत के पैरों के निशान एक शिला पर देखने को मिलते हैं। राम-भरत मिलाप मंदिर के अलावा लक्ष्मण-शत्रुघन मिलन और कौशल्या-सीता मिलन मंदिर भी स्थापित है। बता दें कि भरत मिलाप मंदिर से कुछ ही दूरी पर एक विशाल कुआं मौजूद है। इस कुएं को भरत कूप के नाम से जाना जाता है। चित्रकूट जाने पर इस पवित्र स्थल के दर्शन के बिना यात्रा अधूरी मानी जाती है। माना जाता है कि भरत श्रीराम का एक राजा के रूप में अभिषक करना चाहते थे, इसके लिए उन्होंने सभी पवित्र तीर्थ स्थलों के जल को एकत्रित किया था। बाद में ऋषि अत्रि की सलाह पर भरत ने जल को इस कुएं में डाल दिया था। इस वजह से इस कुएं को भरत कूप के नाम से जाना जाता है।

आज का इतिहास

1055 - कॉन्स्टेंटाइन VIII और हेलेना, एलपियस की बेटी, थियोडोरा, बीजान्टिन महारानी बन गईं।
1320 - जापान के सम्राट कोमयो का जन्म हुआ।
1693 - इतालवी इतिहास का सबसे शक्तिशाली XI भूकंप, सिसिली द्वीप पर आया।
1709 - कोले सिबर का प्ले ॾराइवल फूल्सॾ का लंदन में प्रीमियर किया गया।
1775 - फ्रांसिस साल्वाडोर अमेरिका में कार्यालय के लिए चुने गए पहले ज्यूली बने।
1779 - चिंग-थांग खोंबा को मणिपुर के राजा का ताज पहनाया गया।
1787 - विलियम हर्शल ने तीतनिया और ओबर्नोन, यूरेनस के दो चंद्रमाओं का पता लगाया।
1805 - संयुक्त राज्य अमेरिका में मिशिगन राजधानी बनाई गई।
1830 - लाग्रेंज कॉलेज (अब उत्तरी अलबामा विश्वविद्यालय) ने ऑपरेशन शुरू किया, अलबामा में पहला सार्वजनिक रूप से चार्टर्ड कॉलेज बना।
1842 - मशहूर अमरीकी विचारक व दार्शनिक विलियम जेम्ज़ का न्यूयॉर्क में जन्म हुआ।
1849 - एलिजाबेथ ब्लैकवेल अमेरिका में चिकित्सा डिग्री की हासिल करने वाली पहली महिला बनीं।
1861 - अमेरिकी नागरिक युद्धः अलबामा संयुक्त राष्ट्र संघ से अलग हुआ।
1864 - चेरिंग क्रॉस स्टेशन लंदन में खोला गया।
1865 - वेस्ट वर्जीनिया के बेवर्ली की लड़ाई में संघीय सेना ने संघ पद पर हमला कर दिया।
1866 - इंग्लैंड में तूफान की चपेट में आकर 'स्टीमर लंदन' के डूबने से 220 लोगों की मौत हुई।
1867 - बेनिटो जुआरेज फिर मैक्सिकन राष्ट्रपति बनाये गए।
1879 - एंग्लो और जुलु युद्ध का आरम्भ हुआ।
1892 - हवाई ऐतिहासिक सोसायटी की स्थापना की गयी।
1922 - डायबटीज के मरीजों को पहली इंसुलिन दी गई।
1972 - पूर्वी पाकिस्तान बांग्लादेश के रूप में स्वतंत्र देश बना।

भूख से मुक्ति का राष्ट्रीय संकल्प है अटल कैंटीन योजना

-ललित गर्ग-

भूख केवल एक शारीरिक पीड़ा नहीं है, वह सामाजिक असंतुलन, मानसिक कुंठा और नैतिक विचलन की जननी भी है। इतिहास साक्षी है कि जब पेट खाली होता है, तो विचार उग्र हो जाते हैं, व्यवस्था के प्रति विश्वास डगमगाने लगता है और विद्रोह की भावना पनपती है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे पहली जिम्मेदारी यह होती है कि उसका कोई भी नागरिक भूखा न रहे। इसी बुनियादी और मानवीय सोच के साथ दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार द्वारा शुरू की गई रुपये 5 में भोजन उपलब्ध कराने की 'अटल कैंटीन योजना' निस्संदेह एक दूरदर्शी, करुणामय, मानवीय और जनकल्याणकारी पहल है।

इस योजना का उद्देश्य अत्यंत स्पष्ट और मानवीय है कि दिल्ली में कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। राजधानी जैसे महानगर में, जहाँ एक ओर समृद्धि और चमक-दमक है, वहीं दूसरी ओर असंगठित श्रमिक, दिहाड़ी मजदूर, रिक्शाचालक, ठेला-पटरी वाले, घरेलू कामगार और बेघर लोग भी बड़ी संख्या में रहते हैं। इनके लिए दो वक्त का सम्मानजनक और पौष्टिक भोजन आज भी एक चुनौती बना हुआ है। अटल कैंटीन योजना इन्हीं वर्गों के लिए जीवनरेखा बनकर सामने आई है, जो 'संकल्प से सिद्धि' के लक्ष्य को दर्शाता है और इसे देश में भोजन सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

इस योजना का शुभारंभ भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर किया जाना केवल एक औपचारिक तिथि चयन नहीं, बल्कि एक वैचारिक निरंतरता का प्रतीक है। अटलजी का संपूर्ण राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन अंत्योदय अर्थात समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के विचार से प्रेरित रहा। वर्ष 2000 में शुरू की गई अंत्योदय अन्न योजना ने यह स्पष्ट कर दिया था कि अटलजी के लिए गरीब केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि नीति का केंद्र था। उस योजना के अंतर्गत अत्यंत गरीब परिवारों को रियायती दरों पर अनाज उपलब्ध कराया गया, जिससे करोड़ों लोगों को भुखमरी से राहत मिली। अटल कैंटीन योजना उसी सोच का आधुनिक शहरी संस्करण है, जहाँ अनाज के बजाय तैयार, पौष्टिक और स्वच्छ भोजन सीधे थाली में परोसा जा रहा है। यह नीतिगत निरंतरता इस बात का प्रमाण है कि सुशासन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि संवेदनशील क्रियान्वयन से साकार होता है।

अटल कैंटीन में भोजन की कीमत रुपये 5 रखी गई है, जबकि सरकार प्रत्येक थाली पर रुपये 25 की सब्सिडी दे रही है। यह मूल्य निर्धारण अत्यंत सोच-समझकर किया गया है। भोजन पूरी तरह मुफ्त न देकर एक न्यूनतम राशि तय करने का उद्देश्य यह है कि भोजन की कद्र बनी रहे और लाभार्थी इसे भीख नहीं, बल्कि अधिकार और सम्मान के रूप में ग्रहण करे। यह नीति सामाजिक मनोविज्ञान को समझने का उत्कृष्ट उदाहरण है।

रेखा गुप्ता सरकार ने सीमित संसाधनों के बावजूद जनकल्याण को प्राथमिकता देते हुए जिस संवेदनशीलता, निर्णय क्षमता और प्रशासनिक दक्षता का परिचय दिया है, वह उनके प्रभावी राजनीतिक नेतृत्व को रेखांकित करता है; अटल कैंटीन जैसी योजनाएँ बताती हैं कि वे शासन को सत्ता नहीं, सेवा का माध्यम मानती हैं। किंतु सर्दी के इस कठोर मौसम में दिल्ली की सड़कों, फुटपाथों और फ्लाईओवरों के नीचे ठिठुरती रातें काटने को विवश गरीब और बेघर लोगों के लिए केवल मौसमी रैन-बसेरे पर्याप्त नहीं हैं, आवश्यकता एक स्थायी, समन्वित और मानवीय शीत-रक्षा योजना की है, जिसमें अस्थायी आश्रय के साथ गरम वस्त्र, पौष्टिक भोजन, प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा और पुनर्वास की स्पष्ट व्यवस्था हो, ताकि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की राजधानी की सड़कों पर कोई भी व्यक्ति सर्द रात में बेसहारा और अदृश्य न रहे; ऐसा कदम न केवल प्रशासनिक संवेदनशीलता का प्रमाण होगा, बल्कि लोकतंत्र की नैतिक जिम्मेदारी का भी सशक्त निर्वाह बनेगा। महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि उपलब्ध कराया जा रहा भोजन पोषण मानकों के अनुरूप है। भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एफएसएसएआई मानकों का पालन किया जाता है, जिसमें प्रति थाली 700-800 कैलोरी और 20-25 ग्राम प्रोटीन होता है। डिजिटल टोकन, सीसीटीवी और निगरानी के साथ पारदर्शिता सुनिश्चित की जाती है। प्रत्येक कैंटीन प्रतिदिन लगभग 1000 लोगों को भोजन परोसने की क्षमता रखी है, और 100 कैंटीन खोलने का लक्ष्य है। दाल, सब्जी, रोटी/चावल जैसे संतुलित आहार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिसमें आरओ वाटर एवं अचार आदि भी परोसा जा रहा है ताकि यह योजना केवल पेट भरने तक सीमित न रहकर स्वास्थ्य सुधार में भी योगदान दे सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा गरीबों और निम्न आय वर्ग के लिए मुफ्त एवं रियायती अनाज योजनाएँ लगातार संचालित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना जैसी पहलों ने संकट काल में करोड़ों परिवारों को राहत दी है। इन योजनाओं का मूल दर्शन यही है कि भूखा नागरिक न आत्मनिर्भर बन सकता है और न ही राष्ट्रनिर्माण में भागीदार। रेखा गुप्ता सरकार की अटल कैंटीन योजना इन राष्ट्रीय प्रयासों के साथ सामंजस्य स्थापित करती है। यह दर्शाती है कि केंद्र और राज्य, यदि समान मानवीय दृष्टि से काम करें, तो सामाजिक समस्याओं का समाधान अधिक प्रभावी ढंग से संभव है। समाजशास्त्र और अर्थशास्त्र दोनों ही इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि भुखमरी और अपराध के बीच गहरा संबंध होता है। जब व्यक्ति की मूल आवश्यकताएँ पूरी नहीं होतीं, तो वह व्यवस्था के प्रति विद्रोही दृष्टिकोण अपनाने लगता है। यही कारण है कि अनेक महान नेताओं ने यह कहा है कि गरीब को पहले रोटी दो, उपदेश बाद में।

भूखे को खिलाना किसी प्रकार का राजनीतिक प्रलोभन नहीं है। यह सच्ची राष्ट्रभक्ति, मानवीय कर्तव्य और सामाजिक सुरक्षा का आधार है। अटल कैंटीन जैसी योजनाएँ अपराध को नियंत्रित करने, सामाजिक असंतोष को कम करने और लोकतंत्र में विश्वास को मजबूत करने का कार्य करती हैं। हालाँकि, किसी भी जनकल्याणकारी योजना की सफलता केवल उसकी घोषणा से नहीं, बल्कि उसके पारदर्शी, निगरानी और ईमानदार क्रियान्वयन से तय होती है। यह अत्यंत आवश्यक है कि अटल कैंटीन योजना को भ्रष्टाचार, अपव्यय और लापरवाही से पूरी तरह मुक्त रखा जाए। खाद्य सामग्री की खरीद, भोजन की गुणवत्ता, लाभार्थियों की पहुँच, वित्तीय प्रबंधन और संचालन व्यवस्था-हर स्तर पर सख्त निगरानी, नियमित ऑडिट और सामाजिक सहभागिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। यदि इस योजना में किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार प्रवेश करता है, तो वह न केवल सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग होगा, बल्कि गरीब के विश्वास के साथ भी विश्वासघात होगा। दिल्ली की यह पहल देश के अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकती है। शहरीकरण के इस दौर में लगभग हर बड़े शहर में श्रमिक और निम्न आय वर्ग भोजन संकट से जूझ रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

भारत प्रकाशन उद्योग में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा केंद्र : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को कहा कि भारत प्रकाशन उद्योग में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है। डिजिटल युग में किताबें मानव की सबसे बड़ी मित्र हैं और नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला ज्ञान, विचार और संस्कृति का महाकुंभ बन गया है।

प्रधान ने यहां के भारत मंडपम में 10 से 18 जनवरी तक चलने वाले 53वें नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि मेले में 35 से अधिक देशों के 1,000 से ज्यादा प्रकाशक हिस्सा ले रहे हैं। इसके साथ ही 3,000 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं और 600 से ज्यादा साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह पहली बार है जब विश्व पुस्तक मेले में आम जनता के लिए प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है, जिससे लाखों पाठक, छात्र और परिवार बिना किसी शुल्क के मेले में भाग ले सकेंगे। शिक्षा मंत्री प्रधान ने बताया कि इस वर्ष मेले की थीम भारतीय सैन्य इतिहास- शौर्य एवं प्रज्ञा @75 रखी गई है। यह थीम स्वतंत्रता के 75 वर्षों में भारतीय सशस्त्र सेनाओं के साहस, बलिदान और राष्ट्र निर्माण में योगदान को समर्पित है। थीम पवेलियन में सैन्य इतिहास से जुड़ी 500 से अधिक पुस्तकें, मॉडल प्रदर्शनी, 1971 युद्ध और कारगिल संघर्ष पर परिचर्चाएं तथा युद्ध नायकों के साथ संवाद आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता में ज्ञान को सबसे पवित्र बताया गया है। यह मेला विचारों के आदान-प्रदान और संवाद का उत्सव है। यह आयोजन किताबों के साथ-साथ राष्ट्रभक्ति की भावना को भी सशक्त करता है।

उल्लेखनीय है कि विश्व पुस्तक मेला प्रतिदिन सुबह 11 से रात 8 बजे तक खुला रहेगा। प्रवेश के लिए गेट 10 (मथुरा रोड, प्रगति मैदान मेट्रो स्टेशन से सीधा जुड़ा), गेट 3 और 4 (भैरों रोड) तथा गेट 6 (मथुरा रोड) उपलब्ध रहेंगे। वाहन पार्किंग की व्यवस्था भारत मंडपम परिसर में बेसमेंट और ओपन पार्किंग में की गई है, जिसमें भैरों रोड के पास बी1 और बी2 बेसमेंट पार्किंग शामिल हैं।

बंगाल को बचाने के लिए टीएमसी को सत्ता से हटाना जरूरी: गिरिराज

नई दिल्ली। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश बना कर घुसपैठियों के हवाले कर देना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि यदि राज्य को बचाना है तो तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से हटाना जरूरी है।

गिरिराज ने एक्स पोस्ट में पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था और राजनीतिक दिशा पर गंभीर आरोप लगाए और उन्होंने यहां हिंदुओं की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त की कि बंगाल में कोई ऐसा ज़िला नहीं बचा है, जहां हिंदू डरे हुए, सहमे हुए नहीं हैं। उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों से कागजात छीन लिये जाने की घटना को लेकर मुख्यमंत्री ममता को संविधान विरोधी बताया और सवाल किया कि आज तक कहीं देखा है कि कोई मुख्यमंत्री ईडी के हाथों से कागजात छीन ले और डीजीपी को लेकर के सारे कागजात चुरा लिए, आखिर चुराने की जरूरत क्या पड़ी? कौन ऐसा गुप्त कागज था?

मुख्यमंत्री को डर था कि गुप्त कागज़ात मिलने पर अभिषेक बनर्जी फंस जाएंगे, इसीलिए वह स्वयं गयीं और कागजात वहां से छुड़ाकर ले आईं। गिरिराज ने विपक्ष की एकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि महागठबंधन है कहां? जब चुनाव होता है तब एकसाथ जुड़ जाते हैं। वास्तव में कोई महागठबंधन मौजूद ही नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने पश्चिम बंगाल के लोगों से भयमुक्त होने का आह्वान किया और जोर देकर कहा कि राज्य को बचाने के लिए तृणमूल कांग्रेस सरकार को हटाना जरूरी है।

असम में पिछले पांच साल में 1.56 लाख युवाओं को मिली सरकारी नौकरी : हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार ने पिछले पांच वर्षों में विभिन्न विभागों में 1.56 लाख युवाओं की भर्ती की है। उन्होंने वादा किया है कि शेष सभी भर्तियां 10 फरवरी तक पूरी कर ली जाएंगी, जिससे कुल संख्या 1.60 लाख हो जाएगी।

उन्होंने असम प्रत्यक्ष भर्ती परीक्षा (एडीआरई) के तहत 6,347 ग्रेड-3 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी और मुकदमेबाजी से मुक्त रही है। उन्होंने कहा कि इन भर्तियों को लेकर उच्च न्यायालय में कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है और असम के योग्यता-आधारित भर्ती मॉडल का अध्ययन अब देश भर के अन्य राज्यों द्वारा किया जा रहा है।

शर्मा ने कहा कि यह स्वच्छ शासन, सेवा में ईमानदारी और योग्यता आधारित भर्ती में पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि है। मुख्यमंत्री ने नियुक्त पत्र प्राप्त करने वाले अभ्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि पारदर्शी और योग्यता आधारित प्रणाली के माध्यम से उनकी नियुक्तियां एक विशिष्ट उपलब्धि रही हैं, जिसका अर्थ है कि नियोक्ता और कर्मचारी दोनों ने सरकारी नौकरियों के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी तरीकों का पालन किया है।

आई-पैक पर छापेमारी की विस्तृत रिपोर्ट ईडी ने दिल्ली भेजी, 'मुख्यमंत्री द्वारा दस्तावेज छीने जाने' का भी उल्लेख

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में अवैध कोयला तस्करी मामले की जांच के दौरान कोलकाता में हुई तलाशी अभियान को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट दिल्ली स्थित मुख्यालय को भेज दी है। शुक्रवार को ही केंद्रीय गृह मंत्रालय ने ईडी से यह जानना चाहा था कि तलाशी के दौरान क्या-क्या घटनाएं घटीं। इसके अगले ही दिन ईडी ने पूरे घटनाक्रम का विवरण तैयार कर दिल्ली भेज दिया। माना जा रहा है कि यह रिपोर्ट आगे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यालय तक भी भेजी जा सकती है।

सूत्रों के अनुसार, सॉल्टलेक सेक्टर-पांच स्थित आई-पैक (इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमिटी) के दफ्तर और लाउडन स्ट्रीट स्थित संस्था के प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर तलाशी अभियान चलाने वाले ईडी अधिकारियों ने प्रत्यक्ष अनुभवों और घटनाक्रम के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की है। इसमें तलाशी के दौरान केंद्रीय बलों, कोलकाता पुलिस और राज्य प्रशासन की भूमिका का भी विस्तृत उल्लेख किया गया है। ईडी सूत्रों का दावा है कि गुरुवार को हुई घटना को लेकर गृह मंत्रालय ने विशेष रूप से यह जानना चाहा है कि तलाशी के समय किस तरह की बाधाएं उत्पन्न हुईं। इसी के आधार पर प्रत्यक्षदर्शी अधिकारियों के बयान शामिल कर रिपोर्ट तैयार की गई। हालांकि, ईडी पहले ही जारी प्रेस विज्ञप्ति और कलकत्ता उच्च न्यायालय में दाखिल दस्तावेजों में उस दिन की घटनाओं का उल्लेख कर चुकी है।

केंद्रीय एजेंसी की रिपोर्ट में यह आरोप भी शामिल है कि तलाशी अभियान के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हस्तक्षेप किया और कथित तौर पर ईडी अधिकारियों से महत्वपूर्ण दस्तावेज जबरन छीन लिए। रिपोर्ट के अनुसार, यह पूरा विवरण अब दिल्ली भेजी गई फाइल में भी दर्ज है। ईडी ने अदालत को बताया है कि प्रतीक जैन के लाउडन स्ट्रीट स्थित आवास से तलाशी के दौरान कई डिजिटल दस्तावेज जब्त किए गए थे। सुबह करीब 11:15 बजे कोलकाता पुलिस के डीसी (दक्षिण) प्रियब्रत राय वहां पहुंचे और अनधिकार प्रवेश की शिकायत की बात कही।

इसके बाद ईडी अधिकारियों ने अपनी पहचान पत्र और तलाशी वारंट पुलिस को दिखाए। मौके पर पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा भी पहुंचे और उन्हें पूरी स्थिति से अवगत कराया गया। ईडी के अनुसार, दोपहर करीब 12:05 बजे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मौके पर पहुंचीं। उन्हें कई बार तलाशी में हस्तक्षेप न करने का अनुरोध किया गया, लेकिन एजेंसी का आरोप है कि कानूनी प्रक्रियाओं का उल्लंघन करते हुए मुख्यमंत्री ने ईडी अधिकारी प्रशांत चांडिला के हाथ से डिजिटल दस्तावेज जबरन छीन लिए और करीब 12:15 बजे वहां से चली गईं। उल्लेखनीय है कि इस पूरे घटनाक्रम को लेकर तृणमूल कांग्रेस ने भी कलकत्ता हाई कोर्ट में मामला दायर किया है, जबकि ईडी ने अलग से याचिका दाखिल की है। दोनों मामलों की सुनवाई 14 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

ओएनजीसी कुएं में लगी आग पर काबू, स्थानीय लोगों ने ली राहत की सांस

अमलापुरम। आंध्र प्रदेश के डॉ. अंबेडकर कोनसीमा जिले के मलिकिपुरम मंडल अंतर्गत इरुसुमंडलम गांव में ओएनजीसी के एक कुएं में लगी भीषण आग पर आखिरकार काबू पा लिया गया है। आग बुझने के बाद इलाके में राहत का माहौल है। ओएनजीसी के अनुसार, आग की तीव्रता कम करने के लिए पानी की बौछार (वॉटर कर्टेन) का उपयोग किया गया। साथ ही गैस के दबाव में कमी आने से स्थिति नियंत्रित हो सकी। ओएनजीसी अधिकारियों ने बताया कि आग बुझने के बाद जले हुए मलबे को भी हटा दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि 5 जनवरी को इरुसुमंडलम स्थित ओएनजीसी के सहज वायु कुआं नंबर-5 में ड्रिलिंग के दौरान अचानक गैस का रिसाव हुआ, जिससे बड़ा ब्लोआउट (एक साथ ज्यादा गैस निकलना) हो गया।

इसके बाद गैस में आग लग गई और करीब 100 मीटर ऊंची लपटें उठने लगीं। आग की भयावहता को देखते हुए आसपास के दो गांवों के सैकड़ों लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भाग गए, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई थी। फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और ओएनजीसी की तकनीकी टीम मौके पर लगातार निगरानी कर रही है।

द्रमुक नीत गठबंधन विधानसभा चुनाव में 200 से ज्यादा सीटें जीतेगा : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी के नेतृत्व वाला गठबंधन इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों में कुल 234 सीट में से 200 से अधिक सीट पर जीत हासिल करेगा। राज्य में मार्च-अप्रैल तक चुनाव होने की संभावना है।

'पोंगल' उत्सव के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्टालिन ने कहा कि विभिन्न दलों के लोग, और भाजपा में शामिल लोग भी कहते हैं कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) कार्यकर्ताओं की तरह कोई काम नहीं कर सकता। स्टालिन ने कहा कि जब द्रमुक ने पार्टी के संस्थापक सीएन अन्नादुराई के नेतृत्व में 1967 में सरकार बनाई, तो कांग्रेस नेता एम. भक्तवत्सलम ने द्रमुक कार्यकर्ताओं की मेहनत के बारे में बात की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता का स्तर आज भी उतना ही है।

स्टालिन ने कहा उन्होंने पूर्व में कहा था कि उनकी पार्टी के नेतृत्व वाला गठबंधन कम से कम 200 सीटें जीतेगा। स्टालिन ने कहा कि हालांकि, सरकार के ठोस कार्यों को देखते हुए उन्हें विश्वास हो गया है कि द्रमुक नीत गठबंधन 200 से भी ज्यादा सीट जीतेगा। तमिलनाडु में विधानसभा की 234 सीटे हैं।

उन्होंने कहा कि इसी आत्मविश्वास के साथ हम पोंगल का त्योहार मना रहे हैं। पोंगल के इस उत्सव के अवसर पर मैं आप सभी को पोंगल की शुभकामनाएं देता हूं। आइए हम आगामी चुनाव में भारी जीत हासिल करने का संकल्प लें।

सीबीआई अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच छह महीने के भीतर पूरी करे : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को मांग की कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) उत्तराखंड में अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच बिना किसी दबाव के और निष्पक्ष तरीके से छह महीने के भीतर पूरी करे तथा मामले में सबूत नष्ट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। एक रिजॉर्ट की रिसेप्शनिस्ट के रूप में काम करने वाली अंकिता (19) की 2022 में हत्या कर दी गई थी।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अंकिता के माता-पिता के अनुरोध के बाद मामले की सीबीआई से जांच की सिफारिश की है। कांग्रेस की उत्तराखंड इकाई मामले में नये सबूत सामने आने के बाद से ही केंद्रीय जांच एजेंसी से मामले की जांच कराने की मांग कर रही थी। महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने मांग की कि सीबीआई मामले में "वीआईपी पहलू" की स्वतंत्र जांच करे और कार्यस्थलों पर सुरक्षा मानदंडों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। लांबा ने संवाददाताओं से कहा, "हम चाहते हैं कि सीबीआई 'वीआईपी पहलू' की स्वतंत्र जांच करे, सबूत नष्ट करने का आदेश देने वालों के खिलाफ कार्रवाई हो, सबूत नष्ट करने वाले विधायक के खिलाफ कार्रवाई हो, कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े कानूनों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए और राजनीतिक संरक्षण प्रदान करने वालों को जवाबदेह ठहराया जाए।

उन्होंने कहा कि हम भविष्य में ऐसे मामलों की जांच के लिए एक अनिवार्य स्वतंत्र जांच तंत्र भी चाहते हैं। सीबीआई को बिना किसी दबाव के और निष्पक्षता के साथ छह महीने के भीतर मामले की जांच पूरी करनी चाहिए। लांबा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को इस मामले से जुड़े 'अपराधियों' को जांच प्रक्रिया से दूर रखना चाहिए, ताकि निष्पक्षता के साथ कार्रवाई की जा सके और अंकिता भंडारी को न्याय दिलाया जा सके। उन्होंने कहा कि अंकिता के पिता ने कुछ ऐसे लोगों का जिक्र किया है, जिन्हें इस मामले में अहम माना जा रहा है। उन्होंने पूछा कि विशेष जांच दल (एसआईटी) ने इन लोगों से पूछताछ क्यों नहीं की। लांबा ने कहा कि अंकिता जिस रिजॉर्ट में काम करती थी और रहती थी, उस पर बिना किसी न्यायिक आदेश के बुलडोजर चलाया गया तथा सबूतों को नष्ट कर दिया गया। उन्होंने सवाल किया कि स्थानीय भाजपा विधायक ने बिना किसी न्यायिक आदेश के रिजॉर्ट पर बुलडोजर क्यों चलवाया? एसआईटी ने वीआईपी की पहचान सार्वजनिक क्यों नहीं की?

क्या एसआईटी की जांच में किसी वीआईपी का नाम सामने आया?" महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने पूछा, "क्या राजनीतिक संरक्षण प्राप्त संस्थानों में महिला सुरक्षा योजनाएं लागू नहीं होतीं? क्या गरीब परिवार की बेटी की जान कम कीमती होती है? इस बात की क्या गारंटी है कि मामले के आरोपी को जेल से रिहा नहीं किया जाएगा? सबूत नष्ट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कब होगी? आखिर इस मामले में संरक्षण देने वाले राजनीतिक व्यक्ति कौन हैं?

पौड़ी स्थित वनंतरा रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य और उसके दो कर्मचारियों ने 2022 में अंकिता की हत्या कर दी थी। पुलकित भाजपा के पूर्व नेता विनोद आर्य का बेटा है। अदालत ने पुलकित सहित तीनों दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है।

अंकिता हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग तब और तेज हो गई, जब विधायक सुरेश राठौड़ की पत्नी होने का दावा करने वाली अभिनेत्री उर्मिला सनावर ने मामले में एक 'वीआईपी' की संलिप्तता का आरोप लगाया। हाल ही में उर्मिला ने राठौड़ से हुई कथित बातचीत से जुड़ी ऑडियो रिकॉर्डिंग जारी की और एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसमें उन्होंने अंकिता हत्याकांड में एक 'वीआईपी' की संलिप्तता का आरोप लगाया है। एक अन्य वीडियो में उर्मिला ने दावा किया कि उन्होंने जिस 'वीआईपी' का जिक्र किया है, वह भाजपा नेता दुष्यंत कुमार गौतम हैं।

सीआर पाटिल बोले, 'वीबी-जी राम जी' योजना यूपीए मॉडल से अलग

सूरत। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि वर्तमान सरकार की 'वीबी-जी राम जी' योजना संयुक्त प्रगतिशील गठबन्धन (यूपीए) सरकार की योजना से पूरी तरह अलग है।

गुजरात के सूरत में एक पत्रकार वार्ता के केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने बताया कि वर्ष 1980 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने एक समान योजना शुरू की थी। इसके बाद राजीव गांधी ने 'जवाहरलाल नेहरू योजना' लागू की। वर्ष 2005 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार ने मनरेगा योजना शुरू की थी, जो केवल मजदूरी आधारित योजना थी और अन्य प्रकार के रोजगार को बढ़ावा नहीं देती थी। उन्होंने कहा कि मनरेगा के तहत लोगों को साल में केवल 100 दिनों का रोजगार मिलता था, जबकि वर्तमान में शुरू की गई 'विकसित भारत - रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन(ग्रामीण)' (वीबी-जी राम जी) के अंतर्गत इसे बढ़ाकर 125 दिनों का रोजगार कर दिया गया है।

उन्होंने यह भी कहा कि नई योजना का उद्देश्य सिर्फ मजदूरी नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करना है, जिससे लोगों को आत्मनिर्भर बनाया जा सके। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज हो गई है।

शॉर्ट सर्किट से तीन दुकानें जलकर खाक, 22 लाख का नुकसान

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के मौदहा कस्बा स्थित बड़े चौराहे के पास रियाज़ मार्केट में शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आकर एक ही व्यापारी की किराना की दो दुकानों समेत कुल तीन दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। दुकानों में आग शनिवार को धधकती रही। अग्निकांड में 22 लाख रुपये से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, उपरौस मोहल्ला निवासी मुहम्मद खालिक की बड़े चौराहे के पास नवीन मार्केट में सादिक ट्रेडर्स के नाम से किराना की दो दुकानें संचालित हैं, जहां थोक और फुटकर दोनों तरह का व्यापार होता है। रोज़ाना की तरह दुकानें बंद कर खालिक अपने घर चले गए थे। देर रात अचानक दुकानों में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे आग भड़क उठी और कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया।

धर्मनिरपेक्षता के ठेकेदारों का बांग्लादेश की घटना पर मुंह बंद है: योगी आदित्यनाथ

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धर्मनिरपेक्षता के नाम पर राजनीति करने वालों पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि बांग्लादेश की घटनाओं पर इनके मुंह बंद हैं। मुख्यमंत्री यहां माघ मेला क्षेत्र में जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी महाराज के 726वें प्राकट्य उत्सव को संबोधित कर रहे थे। संत समाज के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि यह पूरे समाज को जोड़ने का कार्य करता है और जब संत समाज एक मंच पर आकर उद्घोष करता है तो उसका परिणाम भी सामने आता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण इसका उदाहरण है, जो पूज्य संतों की साधना और एकता से ही हुआ और जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मूर्त रूप दिया।,

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आजादी के बाद कई प्रधानमंत्री हुए और सभी ने देश के विकास के बारे में सोचा, लेकिन भारत की मूल आत्मा को सम्मान मिलना चाहिए और अयोध्या में रामलला विराजमान हों, यह भाव केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भीतर था, जिन्होंने इसे साकार किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो राम मंदिर में दर्शन करने गए, राम मंदिर के शिलान्यास में शामिल हुए, प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में भी उपस्थित रहे और मंदिर निर्माण पूर्ण होने के बाद शुभ मुहूर्त में सनातन धर्म की ध्वज-पताका के आरोहण में भी भागीदार बने। धर्मनिरपेक्षता के नाम पर राजनीति करने वालों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इन लोगों का बांग्लादेश की घटना पर मुंह बंद है। इनके मुंह से एक भी शब्द नहीं निकल रहा है। ऐसा लगता है कि किसी ने इनके मुंह पर फेवीकोल चिपका दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों द्वारा बांग्लादेश की घटनाओं को लेकर कोई कैंडल मार्च नहीं निकाला जा रहा है। यह हम सबके लिए एक चेतावनी भी है।

गंगा की निर्मलता का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि त्रिवेणी में स्नान की दिव्य अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि मैंने भी यहां आकर सबसे पहले त्रिवेणी में डुबकी लगाकर मां गंगा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कितना पावन जल है। आज से आठ-दस वर्ष पहले क्या इतना निर्मल जल उपलब्ध हो पाता था? उन्होंने कहा कि जब रामभक्त और गंगाभक्त देश की सत्ता में होता है, तभी ऐसे दिव्य अवसर प्राप्त होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नमामि गंगे अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने गंगा के प्रति कृतज्ञता प्रकट की है और भारत माता का सच्चा सपूत ही ऐसा कार्य कर सकता है। उन्होंने कहा कि यहां स्नान करने वाला प्रत्येक श्रद्धालु प्रधानमंत्री को आशीर्वाद दे रहा है। विपक्षी नेताओं का नाम लिए बिना मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग आज भी समाज को बांटने का कार्य कर रहे हैं, वे कभी किसी के हितैषी नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि जब ऐसे लोगों को सत्ता में रहने का अवसर मिला, तब वे केवल अपने परिवार के बारे में सोचते थे और उससे आगे उनकी दृष्टि नहीं थी। उन्होंने कहा, कि आज सत्ता से बाहर होने पर वे तरह-तरह के नारे दे रहे हैं, लेकिन यह वास्तविकता नहीं है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि जब भी उन्हें मौका मिलेगा, वे पहचान का संकट खड़ा करेंगे, अराजकता फैलाएंगे, सनातन धर्म पर प्रहार करेंगे और दंगों की आड़ में समाज को झुलसाने का प्रयास करेंगे। किसी भी स्थिति में इसकी पुनरावृत्ति नहीं होने दी जानी चाहिए। कार्यक्रम में स्वामी राम दिनेशाचार्य जी महाराज, रामानुजाचार्य जी महाराज, राघवाचार्य जी महाराज, सतुआ बाबा महाराज, परमार्थ निकेतन के चिदानंद सरस्वती, दिगंबर अखाड़ा के वैष्णव दास जी महाराज प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, पूर्व मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सीएम योगी ने 'संगम स्नान' कर किया गंगा पूजन, बड़े हनुमान जी के चरणों में झुकाया शीश

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रयागराज दौरे पर रहे। यहां उन्होंने विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने 'संगम स्नान' कर पूजन-अर्चन किया व मां गंगा की आरती उतारी। मुख्यमंत्री ने बड़े हनुमान मंदिर पहुंचकर 'संकट मोचक' के चरणों में शीश झुकाया।

मुख्यमंत्री ने आमजन का अभिवादन भी स्वीकार किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ माघ मेले में पहुंचे। वह वीआईपी घाट से बोट में बैठकर संगम नोज पहुंचे। उन्होंने बोट से ही यमुना नदी में कलरव कर रहे पक्षियों को दाना भी खिलाया। मुख्यमंत्री ने संगम नोज पर पहुंचकर माघ मास में पवित्र स्नान किया, फिर विधिवत पूजन-अर्चन कर मां गंगा की आरती उतारी। उन्होंने मां गंगा के चरणों में शीश झुकाकर माघ मेले की सफलता की कामना की। सीएम बोट में ही बैठकर निरीक्षण करते हुए वापस आए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आमजन का अभिवादन भी किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हनुमान कॉरिडोर का भी निरीक्षण किया। सीएम यहां बड़े हनुमान मंदिर भी गए। उन्होंने हनुमान जी के चरणों के समक्ष बैठकर दर्शन-पूजन कर आरती उतारी और विधि-विधान से पूजा की। धार्मिक कार्यक्रमों में संतोषाचार्य महाराज उर्फ 'सतुआ बाबा', कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह व नंदगोपाल गुप्त 'नंदी', विधायक सिद्धार्थनाथ सिंह, हर्षवर्धन वाजपेयी तथा पूर्व सांसद विनोद सोनकर आदि मौजूद रहे।

अपार आईडी में दर्ज होगी 12वीं तक के विद्यार्थियों की 'शैक्षिक कुंडली'

प्रयागराज। एक राष्ट्र, एक विद्यार्थी आईडी की संकल्पना पर शिक्षा विभाग कार्य कर रहा है। कक्षा एक से 12वीं तक के प्रत्येक विद्यार्थियों की 12 अंकों की यूनीक आईडी अपार (आटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक एकाउंट रजिस्ट्री) तैयार कराने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यह आईडी यूपी बोर्ड, सीबीएसई, आईसीएसई, मदरसा, संस्कृत शिक्षा सहित सभी जगहों पर बनाई जा रही है। इनका प्रयोग देश भर में किया जा सकेगा।

यह आईडी विद्यार्थी का सम्पूर्ण विवरण देने में पूरी तरह से सक्षम होगी। बीएसए अनिल कुमार ने शनिवार को बताया कि इस योजना से प्रयागराज के 6673 परिषदीय, राजकीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त, आईसीएसई, सीबीएसई, समाज कल्याण के आश्रम पद्धति विद्यालय, श्रम विभाग के अटल आवासीय विद्यालय एवं मदरसा बोर्ड में पढ़ने वाले लगभग 12.05 लाख छात्र-छात्राएं आच्छादित होगें। बीएसए का कहना है कि अपार आईडी के लिए माता-पिता या अभिभावक की सहमति अनिवार्य है। प्रत्येक छात्र-छात्रा के अकादमिक इतिहास का विवरण डिजिलाकर में संरक्षित रहेगा। जैसे शैक्षिक योग्यता प्राप्त ग्रेड, सर्टिफिकेट, विभिन्न संस्थाओं में बच्चों की उपलब्धि आदि को इसकी मदद से जाना जा सकता है। यह विभिन्न संस्थाओं में स्थानांतरणीय है। अनिल कुमार ने बताया कि यह अपार आईडी शैक्षणिक एवं करियर में जीवन भर उपयोगी है। बच्चों के भौतिक अभिलेखों यथा अंकपत्रों, स्थानांतरण प्रमाण पत्रों के खो जाने का डर नहीं रहेगा। ड्राप आउट बच्चों की ट्रैकिंग कर उनको शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना आसान हो जायेगा। यू डायस पोर्टल पर दर्ज बच्चों के डाटा के आधार पर अपार आईडी का निर्माण होगा।

यू डायस के स्टूडेंट माड्यूल पर क्लिक करके संक्षिप्त विवरण भरते ही अपार आईडी सृजित हो जायेगी। यू डायस पोर्टल पर विद्यालय पंजीकृत नहीं होने पर विद्यालय मान्यता प्रत्याहरण की कार्रवाई की जायेगी। बीएसए ने अभिभावकों से कहा है कि बिना यू डायस कोड वाले विद्यालयों में अपने बच्चों का प्रवेश न कराएं। विद्यालय के प्रबंधक -प्रधानाध्यापक शत-प्रतिशत बच्चों का डाटा यू-डायस पोर्टल पर अंकित करें।

भारतीय शूटिंग टीम के ट्रायल के लिए मुरादाबाद की निशानेबाज श्रद्धा रस्तोगी ने किया क्वालीफाई

मुरादाबाद। जिले की होनहार निशानेबाज श्रद्धा रस्तोगी ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग में भारतीय निशानेबाजी टीम ट्रायल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार ने यह जानकारी शनिवार को दी।

उन्होंने बताया कि भोपाल में आयोजित 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में 618.1 का प्रभावशाली स्कोर कर श्रद्धा भारतीय टीम में जगह बनाने की दौड़ में भी शामिल हो गई हैं। मोहल्ला मंडी चौक में रहने वाली और स्नातक की छात्रा श्रद्धा ने इससे पहले भी कई उपलब्धियां बटोरी हैं। एक साल पूर्व शूटिंग रेंज में कदम रखने वाली श्रद्धा ने बताया कि उन्होंने हाल ही में देहरादून में खेली गई 44वीं नॉर्थ जोन शूटिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था। इसके अलावा उन्होंने यूपी स्टेट, प्री-स्टेट, प्री-नेशनल और इंडिया ओपन जैसी प्रतियोगिताओं में मेडल जीते हैं।

34वीं ऑल इंडिया जीवी मावलंकर (प्री-नेशनल) में दो सिल्वर और 48वीं यूपी स्टेट में सिल्वर मेडल जीत चुकी हैं। श्रद्धा ने बताया कि दिल्ली और मुरादाबाद की विभिन्न शूटिंग रेंज में नियमित रूप से तीन से चार घंटे तक अभ्यास करती हैं। वह ट्रायल में बेहतरीन प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही हैं ताकि उनका चयन भारतीय शूटिंग टीम में हो। उनका सपना भारत के लिए मेडल जीतने का है।

अपराध और भ्रष्टाचार करने वालों को किसी भी सूरत में माफ नहीं किया जाएगा : केशव मौर्य

बरेली । उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को बरेली दौरे के दौरान विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि एक रुपये में 85 पैसे की दलाली करने वाले अब ईमानदारी और सुशासन की बातें कर रहे हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि अपराध और भ्रष्टाचार करने वालों को किसी भी सूरत में माफ नहीं किया जाएगा। बरेली पहुंचकर उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य ने सबसे पहले फरीदपुर के दिवंगत विधायक प्रो. श्याम बिहारी लाल के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। इसके बाद सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखी। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केशव मौर्य ने कहा कि दूसरों को नसीहत देने से पहले कांग्रेस को अपने पुराने कारनामों पर नजर डालनी चाहिए।

जनता सब जानती है और अब भ्रष्टाचारियों को कतई बख्शने के मूड में नहीं है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव में हार के बाद उनका मानसिक संतुलन बिगड़ा हुआ है और उन्हें इलाज की जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा को करारी हार मिलेगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि किसी को गुमराह कर एक बार चुनाव जीता जा सकता है, लेकिन बार-बार नहीं।

2024 के लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा ने महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और बिहार में जीत दर्ज की है। अब पश्चिम बंगाल और 2027 में उत्तर प्रदेश में फिर से भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार बनेगी।

वाराणसी में बुर्का, हिजाब, घूंघट और हेलमेट पहनकर आने वालों को आभूषण न बेचने का फैसला

वाराणसी। वाराणसी में चोरी, लूट और ठगी की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए व्यापारियों ने बुर्का, हिजाब, घूंघट और हेलमेट पहनकर आने वाले ग्राहकों को आभूषण नहीं बेचने का निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश स्वर्णकार संघ की वाराणसी इकाई के जिलाध्यक्ष कमल सिंह ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि चेहरा ढककर आये ग्राहकों को हम आभूषण नहीं बेचेंगे क्योंकि नकाबपोश व्यक्ति यदि कोई वारदात करता है तो उसकी पहचान नहीं हो पाती। सिंह ने कहा कि हमने अपनी दुकानों के आगे पोस्टर लगाए हैं जिन पर लिखा है मास्क, बुर्का, हेलमेट और नकाब पहनकर दुकान में आना मना है। उन्होंने कहा कि दुकानदारों की चिंताओं को देखते हुए यह फैसला लिया गया है और ग्राहक चेहरा दिखाकर खरीदारी कर सकते हैं, जिससे हम सुरक्षित महसूस कर सकेंगे। सिंह ने कहा कि आभूषण व्यवसाय कीमती वस्तुओं का कारोबार है। अपराधी अक्सर हेलमेट, बुर्का पहनकर वारदात को अंजाम देते हैं। इस लिए मास्क, बुर्का, हेलमेट और नकाब पहनकर आने पर हम आभूषण नहीं बेचेंगे। उत्तर प्रदेश स्वर्णकार संघ के अध्यक्ष सत्यनारायण सेठ ने बताया कि झांसी समेत प्रदेश के कई जिलों में स्वर्णकारों की दुकानों के आगे इस तरह के पोस्टर लगे हैं। सेठ ने कहा कि वाराणसी में आभूषण की हजारों दुकान हैं, सभी को नकाबपोश, बुर्का पहनकर आने वालों से है। उन्होंने कहा कि दुकानदार किसी व्यक्ति के धर्म का विरोध नहीं कर रहे बल्कि अपनी सुरक्षा के लिए ऐसा कर रहे हैं।

सेठ ने कहा कि मुस्लिम ग्राहक बुर्का पहनकर आएं लेकिन दुकान पर नकाब हटा दें, ताकि उनकी पहचान सुनिश्चित हो सके। लोहता थाना क्षेत्र के आभूषण व्यवसायी शाहिद ने कहा कि बुर्का पहन कर दुकान में आने से मना करना गलत है। उन्होंने कहा कि इस तरह से मना करने पर ग्राहक नहीं आएंगे और बुर्का पहनने वाली महिला को नकाब हटाने के लिए कहना गलत और अपमानजनक बात होगी।

शासकीय अधिवक्ता राणा संजीव सिंह ने इस मामले पर कहा कि यह कोई गलत काम नहीं है। उन्होंने कहा कि हालिया कुछ घटनाओं में बुर्का पहन कर आईं महिलाओं का आभूषण की दुकानों में चोरी करते हुए सीसीटीवी में सामने आया है, लेकिन नकाब की वजह से उनकी पहचान नहीं हो पायी। सिंह ने कहा कि सब को अपनी सुरक्षा का अधिकार है, इसमें कोई गलत बात नहीं है।

वाराणसी में कांग्रेस की बड़ी रैली आठ फरवरी को: अजय राय

वाराणसी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने शनिवार को वाराणसी में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जिले में कांग्रेस एक बड़ी रैली करने जा रही है। इसके लिए स्थान तलाशा जा रहा है। संभव है कि आगामी 8 फरवरी को वाराणसी में कांग्रेस के प्रमुख नेताओं की मौजूदगी में बड़ी रैली होगी। अजय राय ने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव का आगाज भी इसी रैली से होगा। रैली में दालमंडी सहित तमाम विषयों पर चर्चा होगी। दिल्ली में बैठे नेतृत्व से भी रैली में शामिल होने के लिए आग्रह किया गया है। निश्चित ही कोई ना कोई कांग्रेस पार्टी का बड़ा चेहरा रैली में शामिल होगा।

खेतों में देखा गया तेंदुआ, वन विभाग का सर्च ऑपरेशन जारी

उरई। कोंच तहसील क्षेत्र के लौना गांव के खेतों में शनिवार को लापता तेंदुआ को देखा गया। इससे पूरे गांव में दहशत और अफरा-तफरी का माहौल है। वन विभागकी टीम ने तेंदुए को पकड़ने के लिए अभियान शुरू कर दिया। वन अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि लौना गांव में शनिवार की सुबह खेतों में कुछ ग्रामीणों ने एक तेंदुए को घूमते हुए देखा। तेंदुआ पहले से ही इलाके में लापता बताया जा रहा था।

तेंदुए को देखते ही ग्रामीणों में भगदड़ मच गई। लोग हाथों में लाठी-डंडे लेकर खेतों की ओर पहुंचे ताकि जानवरों और बच्चों की सुरक्षा हो सके। वहीं, महिलाओं और बच्चों को घरों के अंदर रहने की चेतावनी दी गई। ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग के अधिकारियों को इसकी सूचना दी है। सूचना मिलते ही वन विभाग की एक विशेष टीम मौके पर पहुंची। टीम ने तेंदुए को पकड़ने के लिए अभियान शुरू किया। टीम ने खेतों के आसपास जाल बिछाया। ड्रोन कैमरों और अन्य उपकरणों की मदद से तेंदुए का पता लगाया जा रहा है।

गांव के बुजुर्ग रामसहाय ने बताया कि आज से पहले कभी गांव में तेंदुआ नहीं देखा गया। हम सभी डरे हुए हैं, खासकर रात के समय। किसान अनिल ने कहा कि हमारी फसलें खेत में हैं और अब हम खेतों में जाने से भी डर रहे हैं। वन विभाग जल्द से जल्द तेंदुए को पकड़े।

आगरा में पकड़े गए 38 बांग्लादेशी नागरिकों को निर्वासित किया गया

आगरा। जिले में अवैध रूप से प्रवास कर रहे 38 बांग्लादेशी नागरिकों को निर्वासित करके उनके देश वापस भेजने के लिए शनिवार को यहां से रवाना किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सहायक पुलिस आयुक्त (अभिसूचना) दिनेश सिंह ने बताया कि आगरा के सिकंदरा थानाक्षेत्र के सेक्टर-15 में अवैध रूप से रह रहे 38 बांग्लादेशी पकड़े गए और किसी के भी पास कोई वैध दस्तावेज नहीं था। उन्होंने कहा कि सभी को अदालत में पेश किया गया और इसके बाद अदालत ने आरोपियों को दोषी करार देते हुए तीन साल की सजा सुनाई थी। सिंह के के अनुसार 38 बांग्लादेशियों में 23 पुरुष, सात महिलाएं और आठ बच्चे हैं। पुरुष और महिलाएं जेल में थे जबकि बच्चे बाल आश्रय गृह में रह रहे थे। उन्होंने बताया कि विदेशी अधिनियम के तहत सजा भुगत चुके आरोपियों और उनके बच्चों को शनिवार को भारत से निर्वासित करके उनके देश पहुंचाने के लिए आगरा से रवाना किया गया।

मोहन भागवत ने वृंदावन चंद्रोदय मंदिर में किए दर्शन, बच्चों को वितरित किया मध्याह्न भोजन

मथुरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने शुक्रवार को वृंदावन स्थित चंद्रोदय मंदिर में दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर समाज के कल्याण की मंगलकामना की। मंदिर परिसर में उन्होंने स्कूली बच्चों को स्वयं मध्याह्न भोजन प्रसाद भी वितरित किया। चंद्रोदय मंदिर में उपस्थित भक्तों को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) के संस्थापकाचार्य अभय चरणारविंद भक्तिवेदांत श्रील प्रभुपाद का संपूर्ण जीवन मानवता के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि श्रील प्रभुपाद ने भारतीय संस्कृति, सनातन मूल्यों और भगवद्गीता के सार्वभौमिक संदेश को विश्वभर में पहुंचाकर मानव समाज को नई दिशा प्रदान की। इस अवसर पर मोहन भागवत ने अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा पोषित विद्यालय के छात्रों को प्रतीकात्मक रूप से मध्याह्न भोजन प्रसाद वितरित किया। उन्होंने बच्चों से संवाद करते हुए शिक्ष ,संस्कार और सेवा के महत वपर बल दिया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मोहन भागवत ने कहा कि संघ और चंद्रोदय मंदिर से जुड़े भक्तों का उद्देश्य केवल धार्मिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, संस्कारयुक्त शिक्षा, सेवा और सामाजिक समरसता के माध्यम से भारत को पुनः विश्व के आध्यात्मिक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। चंद्रोदय मंदिर के जनसंपर्क प्रमुख भरतर्षभा दास ने बताया कि दर्शन के उपरांत मोहन भागवत ने श्रील प्रभुपाद के विग्रह पर पुष्पार्चन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान चंद्रोदय मंदिर के चेयरमैन मधु पंडित दास और अध्यक्ष चंचलापति दास ने उन्हें श्रील प्रभुपाद द्वारा रचित भगवद्गीता यथारूप के विभिन्न संस्करणों का अवलोकन कराया, जो अनेक भाषाओं में प्रकाशित हैं। इसके साथ ही संघ प्रमुख ने निर्माणाधीन वृंदावन चंद्रोदय मंदिर के प्रतिरूप (मॉडल) का भी अवलोकन किया। अध्यक्ष चंचलापति दास ने मंदिर की भव्य वास्तुकला, अद्वितीय संरचना और इसके आध्यात्मिक उद्देश्य के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि चंद्रोदय मंदिर का उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक मंच पर सशक्त रूप से प्रस्तुत करना तथा युवाओं को नैतिकता, सेवा और भक्ति के मार्ग पर प्रेरित करना है।

विकसित भारत जी राम जी योजना रोजगार गारंटी के साथ श्रमिक, महिलाएं और किसान बनेंगे आत्मनिर्भर: कपिलदेव

बिजनौर। विकसित भारत जी राम जी योजना गरीब मजदूरों, महिलाओं, किसानों तथा बेरोजगारों को लाभ पहुंचाने के लिए पूर्व योजना को संशोधित करके अधिक लाभकारी बनाई गई है। इसमें 100 दिन के स्थान पर अब 125 दिन की रोजगार गारंटी दी गई है। 7 दिन में भुगतान दिया जाना भी अनिवार्य किया गया है। भुगतान देरी होने पर श्रमिक को ब्याज भी दिया जाएगा।

प्रभारी मंत्री और राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग कपिल देव अग्रवाल ने कलेक्ट्रेट स्थित विदुर सभागार में एक प्रेसवार्ता के दौरान यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि मनरेगा नाम से जारी इस योजना में पहले काफी भ्रष्टाचार व्याप्त था, जिसको देखते हुए अब बायोमेट्रिक तथा जिओ ट्रैकिंग भी अनिवार्य की गई है। पहले मिट्टी तथा तालाब आदि के काम इस योजना के अंतर्गत किए जाते थे पर अब स्थाई निर्माण में भी श्रमिक काम कर सकेंगे। फसली सीजन में 60 दिन का कार्यकाल श्रम मुक्त रखा गया हैं, जिससे किसानों को मजदूर उपलब्ध हो सके।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रधानमंत्री निरंतर प्रयासरत है। इसी के एक प्रयास में मनरेगा को संशोधित करते हुए विकसित भारत जी राम जी योजना को लाया गया है।

उन्होंने बताया कि जिले के 11 विकास खण्डों के सभी ग्रामों में इस योजना का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाएगा ताकि जनपद के सभी ग्रामों में जरुरतमंद श्रमिकों, महिलाओं, ग्रामीणों को इसी योजना का उचित लाभ मिल सके। इस अवसर पर उनके साथ भाजपा जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, जिलाधिकारी जसजीत कौर,पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में भारत की निगाहें कोहली और रोहित पर

वडोदरा। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में रविवार को यहां खेले जाने वाले शुरुआती मैच में भारतीय टीम विराट कोहली और रोहित शर्मा की शानदार लय के साथ आगे बढ़ने की उम्मीद करेगी। न्यूजीलैंड की टीम नये और युवा खिलाड़ियों की भरमार है लेकिन पूरी ताकत के साथ उतर रही भारतीय टीम के लिए रोहित और कोहली के नजरिये से श्रृंखला अहम है। अगले महीने वाली टी20 विश्व कप के कारण वनडे श्रृंखला की अहमियत थोड़ी कम है लेकिन अगले सात दिनों में होने वाले तीन वनडे मैचों में कोहली और रोहित आकर्षण का केंद्र रहेंगे। दोनों दिग्गजों को हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी के लीग चरण में अच्छा मैच अभ्यास मिला है। उन्होंने इस घरेलू टूर्नामेंट में बड़े स्कोर बनाकर यह जता दिया कि उनका दौर अभी खत्म नहीं हुआ है।

यह देखना दिलचस्प होगा कि टी20 विश्व कप टीम से बाहर किए जाने के बाद कप्तान शुभमन गिल कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। उनकी फॉर्म पहले से ही चिंता का विषय रही है, वहीं पिछले साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में वह चोट के कारण बाहर रहे थे। गिल की वापसी से यशस्वी जायसवाल को शीर्ष क्रम से बाहर बैठना पड़ सकता है। जायसवाल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में अपना पहला वनडे शतक जमाया था। श्रेयस अय्यर की वापसी से बल्लेबाजी क्रम में चल रहे प्रयोगों पर विराम लगने की उम्मीद है और 31 वर्षीय इस बल्लेबाज का एक बार फिर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करना लगभग तय है। केएल राहुल की निचले क्रम के बल्लेबाज और विकेटकीपर के रूप में भूमिका जारी रहने से ऋषभ पंत के अंतिम एकादश में शामिल होने की संभावना कम है। अय्यर, पंत और मोहम्मद सिराज विजय हजारे ट्रॉफी में व्यस्तता के कारण शुक्रवार तक वनडे टीम की यहां चल रही तैयारियों का हिस्सा नहीं थे, लेकिन रविंद्र जडेजा ने पूरे दमखम के साथ अभ्यास किया, जिससे उनकी उपलब्धता के संकेत मिले। जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को टी20 प्रतिबद्धताओं के मद्देनजर एकदिवसीय श्रृंखला से आराम दिया गया है। ऐसे में तेज गेंदबाजी का दारोमदार मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा पर रहेगा।

कुलदीप यादव, वॉशिंगटन सुंदर और जडेजा स्पिन विभाग संभालेंगे। शाम की ओस और सपाट पिचों की प्रकृति को देखते हुए इस प्रारूप में आक्रामक विकेट लेने की बजाय रन रोकने पर अधिक जोर रहेगा यह पहला मौका होगा जब कोटाम्बी स्थित बड़ौदा क्रिकेट संघ के नये स्टेडियम में पुरुषों का कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले यह मैदान भारत और वेस्टइंडीज के बीच महिला वनडे श्रृंखला की मेजबानी कर चुका है। न्यूजीलैंड के लिए पिछले साल चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत से मिली हार का खास महत्व नहीं है, क्योंकि यह श्रृंखला और दूसरे दर्जे के खिलाड़ियों को परखने का अच्छा मौका है। टीम 2024-25 में भारत दौरे पर टेस्ट श्रृंखला में मिली 3-0 की ऐतिहासिक जीत की योजना को वनडे श्रृंखला में भी आजमाना चाहेगी। कई प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में माइकल ब्रेसवेल टीम की अगुवाई करेंगे।

नियमित कप्तान मिचेल सैंटनर ग्रोइन इंजरी के कारण वनडे श्रृंखला से बाहर हैं, जबकि टॉम लाथम अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए स्वदेश लौट गए हैं। पूर्व कप्तान केन विलियमसन दक्षिण अफ्रीका में एसए 20 लीग में अपनी टी20 प्रतिबद्धताओं को निभा रहे हैं। रचिन रवींद्र और तेज गेंदबाज जैकब डफी को आराम दिया गया है।

पिंडली की चोट से वापसी कर रहे मैट हेनरी टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए टी20 श्रृंखला पर ध्यान दे रहे है। इस दौरान लंबे कद के हरफनमौला काइल जैमीसन और 23 वर्षीय लेग स्पिनर आदित्य अशोक के प्रदर्शन पर भी नजरें रहेंगी। जेडन लेनॉक्स को सैंटनर के समान विकल्प के रूप में टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड टीम में कई नये और अनुभवहीन चेहरों के बीच डेवोन कॉन्वे, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, विल यंग और ग्लेन फिलिप्स जैसे खिलाडियों की मौजूदगी से बल्लेबाजी मजबूत है।

इस प्रकार है टीमें

- **भारत:** शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा।
- **न्यूजीलैंड:** माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), डेवोन कॉन्वे (विकेटकीपर), मिचेल हे (विकेटकीपर), निक केली, हेनरी निकोल्स, विल यंग, जोश क्लार्कसन, जैक फॉल्क्स, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, आदित्य अशोक, क्रिस्टियन क्लर्क, काइल जैमीसन, जेडन लेनॉक्स, माइकल रे।

मैच दोपहर 1:30 बजे (भारतीय समय) शुरू होगा।

पूजा वस्त्रकार चोट के कारण डब्ल्यूपीएल से दो सप्ताह के लिए बाहर: मालोलन रंगराजन

नवी मुंबई। भारत और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की तेज गेंदबाज ऑलराउंडर पूजा वस्त्रकार हैमस्ट्रिंग (मांसपेशियों) की चोट के कारण मौजूदा महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) से कम से कम दो सप्ताह के लिए बाहर हो गई हैं। इस 26 साल की खिलाड़ी ने अपना पिछला प्रतिस्पर्धी मैच अक्टूबर 2024 में टी20 विश्व कप में खेला था। उन्हें पिछले साल नवंबर में महिला प्रीमियर लीग की नीलामी में 85 लाख रुपये में खरीदा गया था। उनके इस लीग से वापसी की उम्मीद थी।

आरसीबी की मुख्य कोच मालोलन रंगराजन ने शुक्रवार को यहां टीम के पहले मैच के बाद कहा कि पूजा वस्त्रकार मुंबई इंडियंस के खिलाफ चयन के लिए उपलब्ध नहीं थीं। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु स्थित उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) से छुट्टी मिलने से दो सप्ताह पहले दुर्भाग्य से उनकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया। हमारे पास जो जानकारी है, उसके अनुसार वह दो सप्ताह और वहीं रहेंगी। रंगराजन ने कहा कि वह पहले कंधे की चोट के लिए (सीओई) में थीं, अब उन्हें हैमस्ट्रिंग की समस्या है। यह सप्ताह दर सप्ताह की प्रक्रिया है। आरसीबी ने सत्र के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका की दिग्गज खिलाड़ी नाडिन डि क्लर्क के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत शुक्रवार को आखिरी गेंद तक चले रोमांचक मुकाबले में मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस को तीन विकेट से हराया। डि क्लर्क ने चार विकेट झटकने के बाद 155 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 44 गेंदों में नाबाद 63 रन बनाए। उन्होंने आखिरी चार गेंद पर दो छक्के और दो चौके लगाकर टीम की जीत पक्की की। आरसीबी की टीम 65 रन पर पांच विकेट गंवाने के बाद मुश्किल में थी लेकिन डि क्लर्क ने एक छोर संभाले रखा और बेहद रोमांचक मुकाबले में टीम को जीत दिला दी। रंगराजन ने कहा कि हरफनमौला खिलाड़ियों का महत्व स्पष्ट हो गया। मेरा ब्लड प्रेशर, सब ठीक है। मुझे इसकी आदत हो गई है। मैं छह साल से आरसीबी के साथ हूं। जीत का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लग रहा है। उन्होंने डि क्लर्क की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि नाडिन अपनी योजना को लेकर बहुत स्पष्ट थीं कि वह नौवें ओवर में ही अगले 11 ओवर की योजना तय कर चुकी थी। उन्होंने कहा कि उसकी योजना मैच को आखिर तक ले जाने की थी। अरुंधति रेड्डी (25 गेंद में 20 रन) ने छठे विकेट के लिए उनके साथ अच्छी साझेदारी (51 गेंद में 52 रन) कर टीम को मैच में बनाये रखा।

मुंबई इंडियंस की मुख्य कोच लीसा कीथली ने बताया कि हेली मैथ्यूज कंधे की चोट से उबर रही हैं, इसलिए वह मैच में नहीं खेल पाईं। कीथली ने कहा, "दुर्भाग्यवश, उनका कंधा पूरी तरह ठीक नहीं है। ट्रेनिंग के दौरान उन्हें हल्का सा खिंचाव आ गया और वह खेलने के लिए पूरी तरह फिट होने के करीब हैं।" उन्होंने कहा, "चोट ऐसी थी कि इस मुकाबले में उनका खेलना संभव नहीं था। हम देखेंगे कि अब उनकी क्या स्थिति रहती है और क्या वह अगले मैच के लिए फिट हैं।"

केंद्रीय खेल मंत्री मांडविया ने युवाओं से 'विकसित भारत' के निर्माण का किया आह्वान

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा कार्य एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के उद्घाटन समारोह में देश के युवाओं को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं से भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की जिम्मेदारी संभालने का आह्वान किया।

अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि देश के 140 करोड़ नागरिक मिलकर 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करें, जिसमें युवाओं की भूमिका सबसे अहम होगी। उन्होंने कहा, "आप देश का भविष्य हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत के निर्माण की जिम्मेदारी युवाओं को सौंपी है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से उन्होंने स्पष्ट कहा था कि विकसित भारत का निर्माण केवल सरकार नहीं, बल्कि देश के सभी 140 करोड़ नागरिक मिलकर करेंगे और इसमें युवा मशाल वाहक होंगे।"

मांडविया ने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने और अपने कौशल, ऊर्जा व नवाचार के माध्यम से देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'आप जैसे युवा देश का भविष्य हैं।' हमें 'विकसित भारत' का राही अपने देश के युवाओं को बनाना है।

मलेशिया ओपन: सिंधू सेमीफाइनल में वांग से हारी

कुआलालंपुर। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू का शानदार सफर शनिवार को यहां सत्र के पहले मलेशिया ओपन सुपर 1000 के महिला एकल सेमीफाइनल में चीन की वांग झियी से सीधे गेम में हार के साथ समाप्त हो गया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू विश्व नंबर दो खिलाड़ी के दबाव को झेल नहीं पाई और 6-21, 15-21 से हार गयी।

उन्होंने मुकाबले में कई गलतियों का खामियाजा भुगतना पड़ा पिछले साल अक्टूबर से पैर की चोट के कारण मैदान से बाहर रहीं सिंधू अपना पहला टूर्नामेंट खेल रही थीं। वह दूसरे गेम में एक समय 11-6 की बढ़त के साथ वापसी कर रही थी लेकिन उन्होंने इसे गंवा दिया। इस हार के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का सफर भी समाप्त हो गया। सिंधू ने शुरुआत में बेहतर रैंकिंग वाली प्रतिद्वंद्वी को कड़ी चुनौती दी। उन्होंने दमदार शॉट्स लगाए और अपनी लंबी पहुंच का प्रभावी उपयोग किया। सिंधू ने चिर-परिचित क्रॉस-कोर्ट स्मैश के दम पर तेजी से 5-2 की बढ़त बना ली, लेकिन वांग की सधी हुई नेट प्ले ने उन्हें लगातार अंक दिलाए और स्कोर बराबर हो गया। वांग की कुछ गलतियों का फायदा उठाते हुए सिंधू 9-7 से आगे निकलीं, लेकिन नेट पर चूक के कारण चीन की खिलाड़ी ने एक बार फिर वापसी करते हुए ब्रेक तक एक अंक की मामूली बढ़त हासिल कर ली। ब्रेक के बाद दोनों खिलाड़ियों को शॉट की लेंथ पर नियंत्रण रखने में परेशानी हुई और स्कोर 13-13 पर स्कोर बराबर रहा। वांग ने इसके बाद आक्रामक खेल दिखाते हुए दबाव बढ़ाया। लगातार तेज हमलों से उन्होंने सिंधू को असहज किया और सटीक शॉट के जरिए शटल को उनकी पहुंच से दूर रखने की रणनीति अपनाई।

वांग ने 18-14 से आगे निकल के दौरान चार गेम प्वाइंट हासिल कर पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम की शुरुआत में सिंधू अपनी गलतियों के चलते 1-3 से पिछड़ गईं, लेकिन जल्द ही संभलते हुए आक्रामक रैली के दम पर 6-3 की बढ़त ले ली। वांग ने अंतर कम करने की कोशिश लेकिन सिंधू ने कोर्ट के कोण का बढ़िया इस्तेमाल करते हुए ब्रेक तक 11-6 की बढ़त बना ली।

ब्रेक के बाद वांग ने एक बार फिर आक्रामक अंदाज में वापसी की और सिंधू को तेज रैलियों में उलझाया, लेकिन सिंधू ने करारा जवाब देते हुए 13-9 की बढ़त बनाए रखी। इसके बाद सिंधू असहज गलतियां करने लगी। उनके शॉट पर शटल कोर्ट के बाहर गिरने लगा या नेट से टकराने लगा जिससे स्कोर 13-13 हो गया। चीन की खिलाड़ी ने इसके बाद बढ़त बनानी शुरू की और सिंधू दबाव में पिछड़ती चली गयी। इस दबाव के कारण उन्होंने लगातार दो बार बैकलाइन पर चूक गयी। वांग ने पांच मैच प्वाइंट हासिल किये और सिंधू का शॉट बाहर जाने के साथ ही उन्होंने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

बेनसिच के शानदार खेल से स्विट्जरलैंड यूनाइटेड कप फाइनल में

सिडनी। बेलिंडा बेनसिच ने सप्ताह का अपना आठवां मुकाबला जीतते हुए निर्णायक मिश्रित युगल में याकूब पॉल के साथ मिलकर बेल्जियम की एलिस मर्टेंस और जिजू बर्ग्स की जोड़ी को 6-3, 0-6, 10-5 से हराकर स्विट्जरलैंड को यूनाइटेड कप के फाइनल में पहुंचा दिया। इस टीम स्पर्धा में बेनसिच ने इस सप्ताह अपने चारों एकल मुकाबले और चारों मिश्रित युगल मैच जीतकर शानदार प्रदर्शन किया है। रविवार को खेले जाने वाले फाइनल में स्विट्जरलैंड के सामने अमेरिका और पोलैंड के बीच खेले जाने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता की चुनौती होगी। बेनसिच ने इससे पहले मर्टेंस को 6-3, 4-6, 7-6 से हराकर सत्र की अपनी अपराजेय एकल जीत का सिलसिला बरकरार रखा और स्विट्जरलैंड को 1-0 की बढ़त दिलाई। सत्र के अंत में संन्यास लेने जा रहे स्टैन वावरिंका को बर्ग्स ने 6-3, 6-7 (4), 6-3 से हराकर मुकाबला मिश्रित युगल तक पहुंचा दिया।

ओएनजीसी ने पांच दिनों में मोरी-5 कुएं को बंद किया, रिसाव पर काबू पाया

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने आंध्र प्रदेश के मोरी-5 तेल कुएं में नियंत्रण हासिल कर लिया है। कंपनी ने शनिवार को बताया कि इस कुएं को बंद करने का काम रिकॉर्ड पांच दिन में पूरा कर लिया गया। आंध्र प्रदेश में ओएनजीसी के अपतटीय क्षेत्र में स्थित मोरी-5 कुएं में पांच जनवरी 2026 को उस समय ब्लोआउट हो गया, जब ठेकेदार दीप इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा नियमिति मरम्मत का काम किया जा रहा था। ब्लोआउट में तेल और गैस अचानक अनियंत्रित तरीके से बाहर निकलने लगी। ओएनजीसी ने तुरंत अपनी आपातकालीन प्रबंधन योजना लागू की, इलाके में सभी संबंधित काम रोक दिए और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए विशेष टीम और उपकरण तैनात किए। ओएनजीसी ने एक बयान में कहा कि उसने मोरी-5 कुएं पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। इस अभियान को पांच दिनों में पूरा किया गया, जो संचालन में उत्कृष्टता के मामले में एक महत्वपूर्ण सफलता है। ओएनजीसी ने कहा कि कुएं को सफलतापूर्वक बंद करने के बाद मोरी-5 घटना से जुड़े जमीनी स्तर के सभी काम पूरे हो गए हैं।

सेबी ने ट्रेडिंग नियमों को आसान बनाने के लिए दिया नया प्रस्ताव, अनुपालन का बोझ कम होगा

मुंबई, 10 जनवरी (वेब वार्ता)। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने ट्रेडिंग से जुड़े नियमों का आसान बनाने के लिए नया प्रस्ताव दिया है। इसका उद्देश्य स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रेडिंग से जुड़े फ्रेमवर्क में बदलाव लाना, नियमों को आसान बनाना और बाजार के भागीदारों के लिए अनुपालन का बोझ कम करना है। नए प्रस्ताव के जरिए सेबी की कोशिश स्टॉक एक्सचेंज और कमोडिटी एक्सचेंज दोनों में व्यापार में आसानी को बढ़ावा देना है।

सेबी की ओर से जारी किए गए कंसल्टेशन पेपर में ट्रेडिंग, प्राइस बैंड, सर्किट ब्रेकर, बल्क और ब्लॉक डील डिस्क्लोजर, कॉल ऑक्शन और लिक्विडिटी बढ़ाने की स्कीम पर दोहराव लाने वाले प्रावधानों को विलय करने की सिफारिश की गई है। आधिकारिक बयान में कहा गया कि कुछ 54 नियमों में बदलाव की सिफारिश की गई है। इसमें इक्विटी और कमोडिटी सेगमेंट दोनों को एकल ढांचे में कवर करने वाले नियम शामिल हैं। इस विलय में मार्जिन ट्रेडिंग फैसिलिटी (एमटीएफ), विशिष्ट क्लाइंट कोड, पैन की आवश्यकताएं, ट्रेडिंग घंटे और दैनिक मूल्य सीमा से संबंधित प्रावधान भी शामिल हैं। बयान में आगे कहा गया कि बल्क डील और ब्लॉक डील से संबंधित डिस्क्लोजर प्रावधानों को आपस में मिलाया जा सकता है। बल्क डील डिस्क्लोजर पर और स्पष्टता प्रदान की जा सकती है। इसका मतलब है कि सदस्य एक्सचेंजों के बीच पूरी होने वाली बल्क डील की जानकारी ग्राहक स्तर पर एक्सचेंजों द्वारा प्रसारित की जाएगी।

नियामक ने कहा कि क्लियरिंग कॉरपोरेशंस पर लगने वाले प्रावधानों के लिए एक अलग से मास्टर सर्कुलर लाया जाएगा, जिससे रेगुलेटरी ओवरलैप को समाप्त किया जा सके। बयान में आगे कहा गया कि एक्सचेंजों और क्लियरिंग निगमों द्वारा क्लाइंट कोड और ओटीआर आवंटन में संशोधन के लिए लगाए गए जुर्माने एक समान होने चाहिए। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इससे पहले परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से वित्तीय क्षेत्र के प्रतिभागियों के लिए अनुपालन को सरल बनाने, आसान बनाने और लागत कम करने की घोषणा की थी।

भारत ने कई मोर्चों पर प्रगति की, 'मध्यम आय के जाल' से बचने की जरूरत: एस.महेंद्र देव

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने शनिवार को कहा कि भारत ने कई मोर्चों पर प्रगति की है और देश को मध्यम आय के जाल से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक समृद्ध और समावेशी समाज एवं अर्थव्यवस्था बनाने के लिए देश को अपनी उपलब्धियों को आगे बढ़ाना चाहिए। देव ने '104वें स्कॉच शिखर सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने जीएसटी सुधारों, रेरा, आईबीसी, बीमा में 100 प्रतिशत एफडीआई, परमाणु ऊर्जा में निजी भागीदारी, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश और कारोबारी सुगमता की पहल सहित कई सुधार किए हैं।

उन्होंने कहा, "भारत ने कई मोर्चों पर प्रगति की है। विभिन्न क्षेत्रों में संसाधनों के सही आवंटन, मजबूत सुधारों और उच्च वृद्धि दर के साथ भारत अपनी वैश्विक आर्थिक हिस्सेदारी में उल्लेखनीय बढ़त दर्ज कर सकता है।" प्रख्यात अर्थशास्त्री ने कहा कि राजनीतिक स्थिरता, व्यापक आर्थिक स्थिरता और एक बड़ा घरेलू बाजार भारत की प्रमुख ताकतें हैं। उन्होंने कहा, "भारत को मध्यम आय के जाल से बचना चाहिए और एक ऐसा समाज और अर्थव्यवस्था बनाने के लिए काम करना चाहिए जो समृद्ध, समावेशी और प्रकृति के अनुकूल हो।" मध्यम आय का जाल ऐसी स्थिति है, जहां एक मध्यम आय वाला देश बनने के बाद आर्थिक वृद्धि स्थिर हो जाती है और वह उच्च आय वाला देश नहीं बन पाता है।

उन्होंने कहा, "विनिर्माण क्षेत्र केवल 11-12 प्रतिशत लोगों को रोजगार देता है, जिसकी जीडीपी में 17 प्रतिशत हिस्सेदारी है। विनिर्माण और सेवाओं को बढ़ाना आवश्यक है।" देव ने कहा कि बजट और पूंजी निर्माण के माध्यम से सरकारी निवेश महत्वपूर्ण है, लेकिन निजी पूंजी में उल्लेखनीय वृद्धि होनी चाहिए।

भारत - यूरोपीय संघ के व्यापार मंत्रियों ने अधिकारियों को एफटीए वार्ता में तेजी लाने का निर्देश दिया

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ के व्यापार मंत्रियों ने अधिकारियों को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने के लिए वार्ता में तेजी लाने और लंबित मुद्दों को जल्द सुलझाने का निर्देश दिया है। एक आधिकारिक बयान में शनिवार को यह जानकारी दी गई।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और यूरोपीय संघ (ईयू) के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविच ने ब्रुसेल्स में मुलाकात की और बातचीत की प्रगति का जायजा लिया। गोयल की दो दिवसीय यात्रा नौ जनवरी को पूरी हुई। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, "दोनों नेताओं ने बातचीत करने वाले दलों से लंबित मुद्दों को हल करने और समझौते में तेजी लाने के लिए कहा।" बैठक मुख्य रूप से वस्तुओं के लिए बाजार पहुंच, मूल स्थान के नियम और सेवाओं सहित विभिन्न वार्ता क्षेत्रों में हासिल की गई प्रगति की समीक्षा पर केंद्रित थी। मंत्री स्तर की इस मुलाकात से पहले 6-7 जनवरी 2026 को वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल और यूरोपीय आयोग की व्यापार महानिदेशक सबाइन वेयैंड के बीच उच्च स्तरीय चर्चा हुई थी।

मंत्रालय ने कहा कि अधिकारियों ने मतभेदों को कम करने और बकाया मुद्दों पर स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए काम किया, जिससे मंत्री स्तर की वार्ता का रास्ता साफ हो गया।

फोनपे पेमेंट गेटवे ने वीजा और मास्टरकार्ड ट्रांजैक्शन के लिए 'बोल्ट' लॉन्च किया

नई दिल्ली। फोनपे पेमेंट गेटवे (फोनपे पीजी) ने शनिवार को वीजा और मास्टरकार्ड क्रेडिट और डेबिट कार्ड ट्रांजैक्शन के लिए 'फोनपे पीजी बोल्ट' लॉन्च करने की घोषणा की। यह सॉल्यूशन डिवाइस टोकनाइजेशन का इस्तेमाल करके फोनपे प्लेटफॉर्म यूजर्स और मर्चेंट पार्टनर्स के लिए एक सुरक्षित और कुशल इन-ऐप चेकआउट अनुभव प्रदान करता है।

यह फीचर यूजर्स को फोनपे ऐप पर अपने मास्टरकार्ड और वीजा कार्ड को एक बार टोकनाइज करने की सुविधा देता है, जिससे वे हर मर्चेंट के साथ अपने कार्ड को अलग से टोकनाइज करने के बजाय फोनपे पीजी के साथ इंटीग्रेटेड किसी भी मर्चेंट पर अपने सेव किए गए कार्ड का इस्तेमाल कर सकते हैं। संवेदनशील कार्ड डिटेल्स को सुरक्षित टोकन से बदलकर, यह सिस्टम उसी डिवाइस पर किए गए बाद के ट्रांजैक्शन के दौरान सीवीवी एंट्री की जरूरत को खत्म कर देता है। यह आर्किटेक्चर पेमेंट प्रोसेस में स्टेप्स की संख्या को कम करता है, पूरे प्रोसेस के दौरान यूजर को मर्चेंट के ऐप एनवायरनमेंट में बनाए रखता है और बाहरी पेजों पर पारंपरिक रीडायरेक्ट को खत्म करता है। फोनपे लिमिटेड में मर्चेंट बिजनेस के चीफ बिजनेस ऑफिसर युवराज सिंह शेखावत ने कहा, "वीजा और मास्टरकार्ड के लिए फोनपे पीजी बोल्ट फीचर का लॉन्च लाखों भारतीयों के लिए डिजिटल पेमेंट को आसान बनाने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डिवाइस टोकनाइजेशन का लाभ उठाकर, हम यूजर्स और मर्चेंट को पारंपरिक, बोझिल चेकआउट प्रोसेस से हटकर एक सुरक्षित, वन-क्लिक पेमेंट अनुभव की ओर ले जाएंगे।" शेखावत ने आगे कहा, "यह न केवल यूजर की सुविधा को बढ़ाता है बल्कि हमारे मर्चेंट पार्टनर्स को इंडस्ट्री में सबसे अच्छी सफलता दर और कम ड्रॉप-ऑफ के माध्यम से अपनी ग्रोथ को अधिकतम करने का अधिकार भी देता है।" फोनपे के नेटिव एसडीके का इस्तेमाल करके, मर्चेंट उच्च ट्रांजैक्शन सफलता दर और काफी तेज चेकआउट स्पीड प्राप्त कर सकते हैं। यह दक्षता मैनुअल कार्ड एंट्री को खत्म करने और पेमेंट संस्थाओं के बीच तकनीकी हैंड-ऑफ को कम करने से मिलती है।

इसके अलावा, यह सॉल्यूशन मर्चेंट को एक कस्टमाइजेबल इंटरफेस प्रदान करता है जो सीधे उनके मौजूदा ऐप फ्लो में इंटीग्रेट हो जाता है, जिससे ब्रांड की निरंतरता बनाए रखने में मदद मिलती है और ट्रांजैक्शन ड्रॉप-ऑफ कम होते हैं।

टेक्नो पेंट्स आईपीओ से 500 करोड़ रुपये जुटाएगी, सचिन तेंदुलकर को ब्रांड एंबेसडर बनाया

हैदराबाद। टेक्नो पेंट्स एंड केमिकल्स अगले वित्त वर्ष में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 500 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। टेक्नो पेंट्स ने तीन साल के लिए सचिन तेंदुलकर को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है।

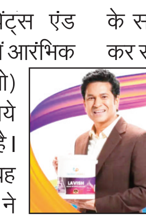

इस कदम से कंपनी को देश भर में अपना विस्तार करने में मदद मिलने की उम्मीद है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि 'मास्टर ब्लास्टर' के साथ जुड़कर उसका लक्ष्य अपनी राष्ट्रीय उपस्थिति को मजबूत करना है। टेक्नो पेंट्स एंड केमिकल्स के चेयरमैन अकुरी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा, "हम दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित क्रिकेटरों में एक और भारत रत्न सचिन तेंदुलकर के साथ जुड़कर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। हम विस्तार और आईपीओ के साथ इस साल बड़ी उपलब्धियां हासिल करने की उम्मीद कर रहे हैं, और हमारे लिए उनसे बेहतर कोई एंबेसडर या वृद्धि साझेदार नहीं हो सकता था।" इससे पहले 2023 में कंपनी ने फिल्म अभिनेता महेश बाबू को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया था, जिन्होंने दो वर्षों तक इस भूमिका को निभाया।

रेड्डी ने कहा कि कंपनी ने 2024-25 में 210 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया और चालू वित्त वर्ष में 450 करोड़ रुपये की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि कंपनी 2029-30 तक 2,000 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य लेकर चल रही है।

बहन नूपुर सेनन की हल्दी और संगीत रस्म में जमकर नाचीं कृति सेनन

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन की शादी की रस्में शुरू हो चुकी हैं और हल्दी से लेकर संगीत तक के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। अभी तक कृति ने इंस्टाग्राम पर फोटोज पोस्ट नहीं की हैं, लेकिन शादी में शामिल हुए कुछ लोगों ने तस्वीरों और वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें कृति से लेकर दुल्हन नुपूर सेनन और दूल्हा सिंगर स्टेबिन बेन डांस फ्लोर पर मस्ती करते दिख रहे हैं। झीलों की नगरी उदयपुर में फेयरमोंट पैलेस में नूपुर सेनन और सिंगर स्टेबिन बेन की शादी की रस्मों के वीडियो सामने आए हैं। कुछ वीडियो हल्दी की हैं, जिसमें पीले आउटफिट में हर कोई मस्ती करता दिख रहा है। नूपुर सेनन की हर रस्म में कृति को खूब डांस करते हुए देखा जा रहा है। संगीत के फंक्शन में भी कृति अपने दोस्तों के साथ डांस करती दिख रही हैं। संगीत में दूल्हा-दुल्हन भी साथ में रोमांटिक डांस कर रहे हैं। कृति को बॉलीवुड से लेकर भोजपुरी गानों तक पर डांस करते हुए देखा जा रहा है। वीडियो में कृति की मां भी दोनों बेटियों पर प्यार लुटाती दिख रही हैं। सोशल मीडिया पर हल्दी और संगीत के वीडियो वायरल हो रहे है, और कमेंट सेक्शन में हर कोई दोनों बहनों के प्यार की सराहना कर रहा है। बता दें कि नूपुर सेनन और सिंगर स्टेबिन बेन की शादी 11 जनवरी को संपन्न होगी। इस शादी में बॉलीवुड से कम ही लोगों को न्योता दिया गया है और परिवार व करीबी लोगों के बीच ही शादी की रस्में निभाई जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो शादी के बाद ग्रैंड रिसेप्शन की भी तैयारी है, जो मुंबई में रखा जाएगा। हालांकि अभी तक रिसेप्शन की तारीख का खुलासा नहीं हुआ है। अभिनेत्री कृति बहन की शादी में अपने कथित ब्वॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ दिखीं। कबीर और कृति ने अपने रिश्ते पर खुलकर बात नहीं की है, लेकिन वेकेशन से लेकर हर इवेंट पर कृति कबीर के साथ दिखती हैं। हालांकि, पैपराजी को देखते ही दोनों कुछ भी कहने से बचते हैं।

तानाजीः द अनसंग वॉरियर को पूरे हुए छह साल, शरद केलकर ने साझा की यादें

मुंबई। ओम राउत निर्देशित सुपरहिट फिल्म तानाजीः द अनसंग वॉरियर के प्रदर्शन के आज छह साल पूरे हो गये हैं। फिल्म 'तानाजीः द अनसंग वॉरियर' 10 जनवरी 2020 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म के प्रदर्शन के आज छह साल पूरे हो गए हैं। यह ऐतिहासिक फिल्म सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर ही बड़ी हिट नहीं रही, बल्कि दर्शकों के लिए एक खास अनुभव भी बनी। इस फिल्म में मराठा योद्धा तानाजी की वीरता, बलिदान और गर्व को दिखाया गया था। इस फिल्म में शरद केलकर ने छत्रपति शिवाजी महाराज का दमदार किरदार निभाया था।

प्रभास की 'द राजा साब' ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया कोहराम

मुंबई। भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार प्रभास ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि बॉक्स ऑफिस पर उनका दबदबा आज भी कायम है। उनकी लेटेस्ट हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'द राजा साब' ने रिलीज़ के साथ ही सिनेमाघरों में तूफान ला दिया है। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म ने ओपनिंग डे पर जबरदस्त कमाई करते हुए रणवीर सिंह की ब्लॉकबस्टर 'धुरंधर' का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। बॉक्स ऑफिस पर सुपरस्टार की ताकत एक बार फिर देखने को मिली है। जहां 2025 की सबसे बड़ी फिल्मों में शामिल 'धुरंधर' ने पहले दिन 28 करोड़ रुपये की कमाई की थी, वहीं 'द राजा साब' ने रिलीज़ होते ही इस आंकड़े को पीछे छोड़ दिया। फिल्म को भले ही मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिल रही हों, लेकिन दर्शकों की भीड़ ने साफ कर दिया है कि प्रभास का स्टारडम हर आलोचना पर भारी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, 'द राजा साब' ने पहले दिन 45 करोड़ रुपये का शानदार कारोबार किया है। अगर एडवांस बुकिंग और पेड प्रीव्यू को जोड़ दिया जाए, तो फिल्म की कुल ओपनिंग कमाई 54.15 करोड़ रुपये तक पहुंच जाती है। इस धमाकेदार शुरुआत ने न सिर्फ 'धुरंधर' का रिकॉर्ड ध्वस्त किया, बल्कि प्रभास को एक बार फिर बॉक्स ऑफिस का असली 'राजा' साबित कर दिया है। फिल्म के अंत में दर्शकों को एक बड़ा सरप्राइज भी मिला है। मेकर्स ने इसके दूसरे पार्ट की आधिकारिक पुष्टि कर दी है, जिसका टाइटल होगा 'द राजा साबः सर्कस 1935'। आने वाले दिनों में त्योहारों की छुट्टियों का फायदा फिल्म को मिल सकता है, जिससे इसकी कमाई और रफ्तार पकड़ने की उम्मीद है। दर्शक खासतौर पर प्रभास के कॉमिक अंदाज़ और स्वैग की तारीफ कर रहे हैं। मारुति के निर्देशन में बनी 'द राजा साब' हॉरर और कॉमेडी का दिलचस्प मिश्रण है, जिसमें प्रभास बिल्कुल नए अवतार में नजर आते हैं। कहानी एक रहस्यमयी पुरानी हवेली के इर्द-गिर्द घूमती है, जो प्रभास के किरदार को विरासत में मिलती है और जिसका संबंध उनके पूर्वज 'राजा साब' से होता है। फिल्म में संजय दत्त खलनायक की भूमिका में हैं, जबकि मालविका मोहनन और निधि अग्रवाल भी अहम किरदारों में दिखाई दे रही हैं।

फराह खान ने फिल्म 'अकेली' में नुसरत भरुचा के शानदार परफॉर्मेंस की तारीफ की

मुंबई। बॉलीवुड की जानी मानी फिल्मकार और कोरियोग्राफर फराह खान ने फिल्म 'अकेली' में नुसरत भरुचा के शानदार परफॉर्मेंस की तारीफ की है। हाल ही में 'द फराह खान शो' में नज़र आईं नुसरत भरूचा ने न सिर्फ अपने फिल्मी सफ़र पर खुलकर बात की, बल्कि अपने कुकिंग स्किल्स से भी सबका दिल जीत लिया। इस एपिसोड में नुसरत ने फराह खान के लिए खास होम-स्टाइल डिश 'मटन उप्पु करी' तैयार की। कुकिंग सेशन के दौरान माहौल काफी मस्ती भरा और घरेलू रहा। इस मौके पर नुसरत सफेद टी-शर्ट और डेनिम में कैजुअल लेकिन स्टाइलिश अंदाज़ में दिखीं। फराह खान ने बातचीत के दौरान नुसरत की मां को भी चर्चा में शामिल किया और उनसे पूछा कि उन्हें अपनी बेटी की कौन-सी फिल्म सबसे ज्यादा पसंद है। बिना सोचे-समझे नुसरत की मां ने 'सोनू के टीटू की स्वीटी' और 'अकेली' का नाम लिया। इस पर फराह खान ने तुरंत हामी भरते हुए 'अकेली' में नुसरत की परफॉर्मेंस की जमकर तारीफ की और फिल्म की भावनात्मक गहराई को सराहा। फराह खान ने नुसरत की तारीफ करते हुए कहा, 'अकेली' में तुमने वाकई शानदार काम किया। पूरी फिल्म में तुम अकेली लड़की थीं, फिल्म इतनी इंटेंस थी कि मेरा ब्लड प्रेशर बढ़ गया।" इसे सुनकर जहां सभी हंसने लगे, वहीं फराह ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए नुसरत की दमदार सोलो परफॉर्मेंस के प्रभाव को भी काफी सराहा। गौरतलब है कि फिल्म 'अकेली' , नुसरत भरूचा के करियर का एक अहम पड़ाव साबित रही है, जिसमें उन्होंने लगभग पूरी कहानी अपने कंधों पर उठाई थी। एक खतरनाक माहौल में फंसी महिला के किरदार को उन्होंने जिस भावनात्मक गहराई, मजबूती और वास्तविकता के साथ निभाया, उसे आलोचकों और दर्शकों दोनों से सराहना मिली थी। नुसरत भरूचा ने अलग-अलग जॉनर में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। 'प्यार का पंचनामा' और 'प्यार का पंचनामा 2' से लोकप्रियता हासिल करने के बाद उन्होंने 'सोनू के टीटू की स्वीटी' और 'ड्रीम गर्ल' जैसी हिट फिल्मों से सफलता का सिलसिला आगे बढ़ाया। हाल के वर्षों में 'छोरी' और 'छोरी 2' जैसी कंटेंट आधारित फिल्मों में उनके गंभीर और सशक्त अभिनय ने दर्शकों को खासा प्रभावित किया, खासतौर पर हॉरर जॉनर में उनकी परफॉर्मेंस को खूब सराहा गया।

जयशंकर ने यूनेस्को महानिदेशक खालिद अल-एनानी से की मुलाकात

विरासत संरक्षण पर भारत की प्रतिबद्धता रेखांकित की

पेरिस। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को यूनेस्को के महानिदेशक खालिद अल-एनानी से मुलाकात की और वैश्विक स्तर पर संस्कृति, शिक्षा एवं विरासत संरक्षण के क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र की इस संस्था के साथ जुड़ाव को आगे बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। फ्रांस और लक्जमबर्ग की छह दिवसीय यात्रा कर रहे जयशंकर ने यहां भारत-फ्रांस संसदीय मैत्री समूह के सदस्यों से भी मुलाकात की।

जयशंकर ने अल-एनानी से मुलाकात के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बहुपक्षीय दुनिया स्वाभाविक रूप से बहुसांस्कृतिक होती है। भारत ने वैश्विक स्तर पर संस्कृति, शिक्षा और विरासत संरक्षण में यूनेस्को के साथ जुड़ाव को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने यूनेस्को मुख्यालय में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। जयशंकर ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा कि सामाजिक न्याय और समावेशिता के उनके (आंबेडकर) आदर्श मानवता के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने भारत-फ्रांस संसदीय मैत्री समूह के सदस्यों और भारत के संसदीय मित्रों के साथ 'सौहार्दपूर्ण बातचीत' की। विदेश मंत्री ने कहा कि हमने विश्व की स्थिति, प्रौद्योगिकी के प्रभाव और वैश्विक कार्यस्थल को सक्षम बनाने पर चर्चा की। हमने अपनी साझा रणनीतिक दृष्टि से प्रेरित भारत-फ्रांस सहयोग को और गहरा करने की संभावनाओं की पुष्टि की। इससे पहले बृहस्पतिवार को, जयशंकर ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की और मौजूदा वैश्विक घटनाक्रमों पर चर्चा की।

खामेनेई की ट्रंप को खरी-खरी

अमेरिका ने कहा-प्रदर्शनकारियों को मारा तो दखल देंगे

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि अहंकारी शासक सत्ता के शिखर पर पहुंचते हैं तभी उनका पतन शुरू होता है।

उन्होंने मोहम्मद रजा पहलवी का उल्लेख करते हुए कहा कि उन जैसे अहंकारी शासकों ने भी अपने घमंड की चरम सीमा पर पहुंच कर पतन देखा था और ट्रंप का भी यही हश्र होगा। उधर, ईरान के पूर्व शाह के निर्वासित बेटे रजा पहलवी ने अमेरिकी राष्ट्रपति से ईरान में दखल देने के लिए तैयार रहने की अपील की है। ईरान में अराजकता के बीच ट्रंप ने कहा है कि वहां के हालात पर करीब से नजर रखी जा रही है। ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि दुनिया के तनाशाहों और घमंडी शासकों का अंत तब हुआ जब वे अपने घमंड के चरम पर थे, तुम्हारा भी पतन होगा। उन्होंने तेहरान और अन्य शहरों में हुई तोड़फोड़ की कड़ी निंदा करते हुए इसके लिए प्रदर्शनकारियों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने दावा किया कि कुछ लोग अमेरिकी राष्ट्रपति को खुश करने के लिए अपने ही देश को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे पहले पूर्व शाह के निर्वासित बेटे रजा पहलवी ने अमेरिकी राष्ट्रपति को ईरान में हस्तक्षेप के लिए तैयार रहने की अपील करते हुए उनसे समर्थन मांगा है।

उन्होंने एक्स पोस्ट के जरिए कहा है कि ईरान के लोग विरोध प्रदर्शन के लिए सड़कों पर उतरेंगे, यह समय बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने ट्रंप से कहा कि उनकी खामेनेई के आपराधिक शासन के प्रति धमकी ने सरकार के गुंडों को दूर रखा है और यह समय बहुत अहम है। इस पूरे घटनाक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति ने एकबार फिर ईरान को धमकी देते हुए कहा कि अगर प्रदर्शनकारियों को मारा गया तो अमेरिका दखल देगा और वहीं हमला करेगा, जहां सबसे ज्यादा दर्द होगा।

उन्होंने कहा कि अमेरिका पूरी स्थिति पर गहरी नजर रख रहा है। खराब अर्थव्यवस्था, आसमान छूती महंगाई और गिरती मुद्रा के खिलाफ ईरान के लोगों का प्रदर्शन पूरे देश में फैल गया है।ईरान के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

खामेनेई शासन के खिलाफ यह विरोध प्रदर्शन देश के सभी 31 प्रांतों में फैल चुका है। पिछले साल 28 दिसंबर को देश की मुद्रा रियाल के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने के बाद तेहरान के मुख्य बाजारों में शुरू हुए इस प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों की कड़ी कार्रवाई और व्यापक इंटरनेट प्रतिबंध के बावजूद तेहरान, मशहद और अन्य प्रमुख शहरों में हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतर रहे हैं।इसमें काफी संख्या में पूर्व राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारी भी हैं जो रजा पहलवी के समर्थन में नारेबाजी कर रहे हैं।

पाकिस्तान के पंजाब में आईईडी विस्फोट में लड़कियों के स्कूल की इमारत ढही

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में लड़कियों के एक स्कूल में हुए आईईडी विस्फोट से संस्थान की इमारत ढह गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि स्कूल में शीतकालीन अवकाश था जिसकी वजह से इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। यह घटना लाहौर से लगभग 450 किलोमीटर दूर ताउंसा जिले में बृहस्पतिवार को हुई।

पुलिस अधिकारी सादिक बलोच ने बताया कि यह धमाका कोह-ए-सुलेमान तहसील के बस्ती जूटर में स्थित एक सरकारी स्कूल की इमारत में हुआ, जिससे इमारत पूरी तरह से ढह गई। यह क्षेत्र पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान की सीमाओं पर स्थित है जिसकी वजह से यह पाकिस्तान में सुरक्षा के लिहाज से सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में से एक माना जाता है। अधिकारी बलोच ने बताया कि इस हमले के पीछे प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का हाथ था। उन्होंने कहा कि 11 जनवरी तक छुट्टियां होने के कारण एक बड़ा हादसा टल गया।

पंजाब के शिक्षा मंत्री राणा सिकंदर हयात ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि सरकार स्कूल का पुनर्निर्माण कराएगी और एक महीने के भीतर कक्षाएं फिर से शुरू कर दी जाएंगी। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान आमतौर पर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में लड़कियों के स्कूलों को निशाना बनाता है लेकिन पंजाब में ऐसी घटनाएं असामान्य हैं।

रूस और चीन को रोकने के लिए अमेरिका को ग्रीनलैंड पर नियंत्रण करना चाहिए : ट्रम्प

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका को रुस और चीन को ग्रीनलैंड पर कब्जा करने से रोकने के लिए उस पर अपना नियंत्रण करना चाहिए।

ट्रम्प व्हाइट हाउस में तेल इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर हम ग्रीनलैंड नहीं लेते हैं, तो रूस या चीन आपके पड़ोसी बन जाएंगे। ऐसा नहीं होने वाला है। मैं आसानी से डील करना चाहता हूं। लेकिन अगर हम इसे आसानी से नहीं करते हैं, तो हम इसे मुश्किल तरीके से करेंगे। उन्होंने डेनमार्क के एक स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड पर डेनमार्क की संप्रभुता पर सवाल उठाया और इस विशाल, संसाधन से भरपूर द्वीप पर ऐतिहासिक दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि मैं डेनमार्क का प्रशंसक हूं, लेकिन, आप जानते हैं, सिर्फ इसलिए कि 500 साल पहले उनका एक जहाज वहां उतरा था, इसका मतलब यह नहीं है कि वे उस ज़मीन के मालिक हैं। ये टिप्पणियां अमेरिका और कई नाटो सहयोगियों के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई हैं।

ट्रम्प आर्कटिक में बढ़ती रूसी और चीनी गतिविधियों से जुड़ी राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए बार-बार यह कह रहे हैं कि अमेरिका को ग्रीनलैंड पर कब्जा कर लेना चाहिए। डेनमार्क और ग्रीनलैंड ने ऐसे किसी भी कदम को साफ तौर पर खारिज कर दिया है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने चेतावनी दी है कि ग्रीनलैंड पर अमेरिकी हमला नाटो और दूसरे विश्व युद्ध के बाद की सुरक्षा व्यवस्था का अंत होगा। ट्रम्प ने कहा कि नाटो को यह समझना होगा। मैं नाटो के साथ हूं। मैंने नाटो को बचाया। अगर मैं नहीं होता, तो अभी नाटो नहीं होता। कोपेनहेगन और ग्रीनलैंड की स्थानीय सरकारों ने बार-बार कहा है कि यह इलाका बिक्री के लिए नहीं है और इसका भविष्य इसके लोग तय करेंगे।